नगर संस्करण

गुड इवनिंग

सांध्य दैनिक

इंदौर-भोपाल-ग्वालियर से प्रकाशित

पेज-7

रोहित शर्मा का विश्व कप 2027 का सपना खतरे में

अलग अंदाज़, अलग नज़रिया | इंदौर, मंगलवार, 10 जून 2025 | मूल्य एक रुपए | ■ पृष्ठ : 8 ■ वर्ष : 09 ■ अंक : 82

www.goodeveninglive.com | https://www.facebook.com/goodevening01 | www.goodeveningonline.com

Short News

80 साल बाद फिर शुरू होगी कर्नाटक गोल्ड फील्ड

बेंगलुरु। कर्नाटक की कोलार गोल्ड फील्ड्स (केजीएफ) एक बार फिर जगमगाने को तैयार है। लगभग 80 वर्षों के बाद यह ऐतिहासिक सोना खदान फिर से शुरू होने जा रही है। यह स्वतंत्रता के बाद दोबारा खुलने वाली देश की पहली गोल्ड माइंस होगी। सरकारी अनुमानों के अनुसार, केजीएफ से हर साल करीब 750 किलोग्राम सोने का उत्पादन होने की उम्मीद है। इससे भारत को सोने के आयात पर निर्भरता कम करने और घरेलू आपूर्ति को बढ़ाने में मदद मिलेगी। ब्रिटिश शासन के दौरान यहां बड़े पैमाने पर सोने का खनन होता था। अब नई तकनीक और आधुनिक मशीनों की मदद से इस खदान को फिर से उत्पादक बनाया जा रहा है।

गुजरात हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

अहमदाबाद। सोमवार को गुजरात हाईकोर्ट में उस समय हड़कंप मच गया जब एक ईमेल मिला, जिसमें बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और हाईकोर्ट परिसर के कोने-कोने में सर्च अभियान चलाया। डीसीपी सफीन हसन ने बताया बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम को ने पूरे परिसर को खाली कराकर गहन तलाशी ली। फिलहाल कोर्ट परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और हर आने-जाने वाले व्यक्ति की सघन जांच की जा रही है। यह ईमेल किस स्रोत से आया, उसकी साइबर यूनिट जांच कर रही है।

मप्र में कृषि आधारित उद्योग पर 50 प्रश सब्सिडी

भोपाल। मध्यप्रदेश में कृषि आधारित उद्योग लगाने वाले किसानों को 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी। कृषि उद्योग से जुड़े रोजगार परक कारखाने बनाएंगे, जहां काम करने वाले को 5 हजार रुपए महीने भी दिए जाएंगे। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ऐलान करते हुए कहा है कि प्रदेश के किसानों को कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम मेला भी लगाए जा रहे हैं। सीएम ने गाडरवाड़ा में गोशाला निर्माण किए जाने और प्रदेशवासियों को सुगम परिवहन सेवा भी उपलब्ध करवाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा में 80 करोड़ रुपए से अधिक के निर्माण और विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

हाईवे पर अब नहीं रोकेगा आपको टोल प्लाजा

3000 रुपए में सालभर का टोल चुकाकर देशभर में घूम सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की सड़कों पर सफर करने वालों के लिए अब एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। जल्द ही आपको टोल प्लाजा पर रुककर पैसे चुकाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि केंद्र सरकार देशभर में टोल वसूली का एक बिल्कुल नया और हाईटेक सिस्टम लागू करने जा रही है। जल्द ही नई व्यवस्था को शुरू करने की योजना है, जो हाईवे और एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक को पहले से कहीं ज्यादा सुगम और तेज बना देगी।

कैसा होगा ये नया टोल सिस्टम? : अब वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर लाइन में लगने या फास्टैग स्कैन होने का इंतजार नहीं करना होगा। टोल टैक्स अब सैटेलाइट आधारित ट्रैकिंग सिस्टम से वसूला जाएगा। मतलब, आपकी गाड़ी जितना सफर करेगी, उतना ही टैक्स स्वतः आपके अकाउंट से कट जाएगा। नंबर प्लेट की पहचान जीपीएस तकनीक से की जाएगी और सारा सिस्टम पूरी तरह डिजिटल होगा।

एनुअल पास से मिलेगी बड़ी छूट : नई नीति के तहत एक एनुअल टोल पास यानी वार्षिक का भी प्रावधान रखा गया है। जिसे सिर्फ 3000 रुपए में लिया जा सकेगा। इस पास के जरिये पूरे साल देशभर की सड़कों पर बिना किसी रुकावट के यात्रा की जा सकेगी। यानी न रुकना न समय की बबार्दी और न हर बार टोल चुकाने की झंझट। देशभर में आपकी गाड़ी कोई नहीं रोकेगा।

लाइफ टाइम पास का फैसला लंबित : केंद्रीय सड़क परिवहन विभाग और सरकार एक और बड़े बदलाव पर विचार कर रही है। एक ऐसा लाइफटाइम टोल पास, जो करीब 30,000 रुपए में मिलेगा और लगभग 15 वर्षों तक टोल फ्री यात्रा की सुविधा देगा। हालांकि, इस योजना पर अंतिम निर्णय फिलहाल लंबित है।

समय और ईंधन दोनों की होगी बचतटोल : प्लाजा पर लगने वाला समय, गाड़ियों की धीमी रफ्तार और बार-बार ब्रेकिंग से ईंधन की खपत बढ़ती थी। लेकिन नई प्रणाली के तहत न केवल सफर तेज होगा बल्कि फ्यूल की बचत भी होगी। यही नहीं, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण पर भी नियंत्रण पाने में मदद मिलेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में एक कार्यक्रम में संकेत दिया कि यह नई नीति जल्द ही लागू होने जा रही है। उनका मानना है कि इस बदलाव से देश में रोड ट्रैवल की परिभाषा ही बदल जाएगी।

छोटा सिरपुर क्षेत्र में नगर निगम ने काम अधूरा छोड़ा

उद्यान विकसित किया मार्ग नहीं बनाया

गुड इवनिंग, इंदौर

छोटा सिरपुर के पीछे प्रजापत नगर रोड पर अहिल्या माता उद्यान विकसित किया गया है। बगीचा तो बना दिया, लेकिन यहां के मार्ग की हालत दयनीय है। वैसे तो यह गार्डन शहर के बड़े गार्डन में से एक है और काफी सुंदर भी बनाया गया है। जब यह बना था तब इसका उद्घाटन बड़े धूमधाम से किया गया था। लेकिन इस गार्डन के सामने की सड़क पर अब तक अधूरा निर्माण कार्य ही पूरा नहीं किया गया है। इससे न केवल उद्यान की खूबसूरती बिगड़ रही है, बल्कि यहां आने वाले लोगों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों की मांग है कि इस सड़क निर्माण को प्राथमिकता देकर जल्द ही पूर्ण किया जाए, ताकि यह क्षेत्र अपनी वास्तविक भव्यता में दिखाई दे सके।

देखरेख के अभाव में लाखों रुपए बर्बाद : शहर में कई ऐसे विकास कार्य हो चुके हैं जो देखरेख के अभाव में काफी खराब हालत में पहुंच चुके हैं। इससे यह तो साफ है कि निगम के लाखों रुपए बर्बाद हुए हैं। यदि जिम्मेदार इस पर ध्यान दे तो रुपए की बबार्दी तो रुकेगी ही, साथ ही शहरवासियों को भी राहत मिलेगी।

धार रोड पर और अधिक विकास की जरूरत : धार रोड पर सिरपुर तालाब है, वहीं उसके थोड़ा आगे काफी अच्छी सड़क बन चुकी है, लेकिन निगम द्वारा किए जा रहे विकास कार्य इस और नजर नहीं आते हैं। सिरपुर तालाब को देखने भी बहुत कम लोग जाते हैं। ऐसे में निगम को इस ओर के भी विकास कार्य को देखना चाहिए।

ठाणे रेल हादसे के बाद बड़ा फैसला: अब मेट्रो जैसी होगी लोकल ट्रेनें

मुंबई, एजेंसी

लोकल ट्रेनों में यात्रा करने वालों के लिए एक राहतभरी खबर है। ठाणे जिले के मुंब्रा स्टेशन पर चलती रेल से गिरने वाले लोगों के हादसे के बाद रेलवे ने सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की घोषणा की है। अब मुंबई उपनगरीय नेटवर्क की सभी नई लोकल ट्रेनों में ऑटोमैटिक डोर क्लोजर लगाए जाएंगे, ताकि चलती ट्रेन से गिरने जैसी घटनाओं को रोका जा सके।

पुरानी लोकल ट्रेनें भी होंगी अपग्रेड : रेलवे बोर्ड ने साफ किया है कि सिर्फ नई नहीं, बल्कि पुरानी चल रही लोकल ट्रेनें भी रीडिजाइन की जाएंगी। इनमें भी मेट्रो की तरह अपने आप बंद होने वाले दरवाजे लगाए जाएंगे। यह बदलाव यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।

मुंब्रा स्टेशन पर मौत का मंजर था : यह अहम कदम उस हादसे के बाद आया है जिसमें सोमवार सुबह सीएसएमटी जा रही एक लोकल ट्रेन से 10 से अधिक यात्री गिर पड़े, जिनमें से चार की मौत हो गई और छह गंभीर रूप से घायल हुए। हादसे के समय ट्रेन मुंब्रा स्टेशन से गुजर रही थी और अत्यधिक भीड़ के कारण यात्री दरवाजों से लटक रहे थे।

अब ट्रेनों में होंगे तकनीकी बदलाव : रेलवे अधिकारियों का कहना है कि अब से ट्रेनों के डिजाइन में तकनीकी सुधार किए जाएंगे। रेलवे मेट्रो की तरह दरवाजे बंद करने की प्रणाली पर कार्य करेगा ताकि किसी भी यात्री की जान जोखिम में न पड़े।

अमेरिका में भारतीय छात्रों से अपराधियों जैसा सलूक

यात्रा का उचित कारण नहीं बताने वालों को धक्के मारकर निकाल रहे हैं पुलिस वाले

न्यूजर्सी, एजेंसी

एक भारतीय छात्र के साथ अमेरिका में क्रूर और अपमानजनक बर्ताव का वीडियो सामने आने के बाद भारतीयों में भारी रोष फैल गया है। नेवार्क एयरपोर्ट (न्यू जर्सी) पर निर्वासन से पहले अमेरिकी अधिकारियों ने छात्र को हथकड़ी लगाकर फर्श पर गिराया और उसकी गर्दन पर घुटना रखकर उसे जबरन रोके रखा। यह पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई और सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि छात्र जमीन पर पड़ा है, वह हथकड़ी में है। एक पुलिस अधिकारी उसकी गर्दन दबा रहा है, जैसे वह कोई खतरनाक अपराधी हो। भारतीय-अमेरिकी हेल्थटेक उद्यमी कुणाल जैन ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि छात्र हरियाणवी बोल रहा था और रो रहा था। दावा है कि हाल के हफ्तों में रोजाना 3-4 भारतीय छात्रों को अमेरिका से वापस भेजा जा रहा है, क्योंकि वे अमेरिका में अपनी यात्रा का कारण उचित कारण नहीं बता पाते। इस घटना ने एक बार फिर अमेरिका में अप्रवासी छात्रों, खासकर भारतीयों, के साथ हो रहे व्यवहार को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है।

एलआईसी का प्लान : सिंगल प्रीमियम, नॉन-पार्टिसिपेटिंग इमीडिएट एन्युटी प्लान

60 नहीं अब 40 वर्ष से ही मिलने लगेगी पेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी

किसी व्यक्ति को बुजुर्गावस्था में आर्थिक दिक्कतों का सामना न करना पड़े। इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम ने सरल पेंशन योजना शुरू की है, जो एक बेहतरीन रिटायरमेंट विकल्प साबित हो सकती है। इस स्कीम में एक बार निवेश करने पर जीवन भर पेंशन का लाभ मिलता है।

अगर आप भी रिटायरमेंट के बाद एक स्थिर मासिक इनकम की तलाश में हैं, तो एलआईसी की इस स्कीम में निवेश से पहले इन 5 खास बातों को जरूर जान लें.

1. 40 से 80 वर्ष तक के लोग ले सकते हैं लाभ

यह एक सिंगल प्रीमियम, नॉन-लिंक्ड और नॉन-पार्टिसिपेटिंग इमीडिएट एन्युटी प्लान है। इसमें 40 से 80 वर्ष की उम्र का कोई भी व्यक्ति निवेश कर सकता है। इस पॉलिसी में आपको सिर्फ एक बार इकट्ठा निवेश करना होगा, जिसके बाद से आपको पेंशन मिलनी शुरू हो जाएगी।

2. सिंगल और जॉइंट लाइफ

सिंगल लाइफ विकल्प में पॉलिसीधारक के जीवनकाल तक पेंशन मिलती है। जॉइंट लाइफ में पति-पत्नी दोनों कवर होते हैं। पहले पॉलिसीधारक को पेंशन मिलती है और उनके निधन के बाद जीवनसाथी को। दोनों के निधन के बाद जमा राशि नॉमिनी को लौटा दी जाती है।

3. पेंशन लेने के विकल्प

आप पेंशन को मासिक, तिमाही, छमाही या वार्षिक आधार पर प्राप्त करने का विकल्प चुन सकते हैं।

4. लोन की सुविधा भी उपलब्ध

इस प्लान में निवेश के 6 महीने बाद आप लोन के लिए भी पात्र हो जाते हैं।

5. टैक्स छूट और लाभ

एलआईसी सरल पेंशन योजना इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 80-सी और 10(10डी) के तहत पात्र है और इसलिए ये इसे ज्यादा आकर्षक बनाता है।

पानी पीने के लिए केवल कांच या स्टील की बोतल प्रयोग की शपथ दिलाई

कृत्रिम अंग केन्द्र एवं दिगम्बर जैन महिला महासमिति ने पर्यावरण दिवस की श्रृंखला में किया दिव्यांगजनों का सम्मान

गुड इवनिंग, इंदौर

दिगम्बर जैन महिला महासमिति एवं कृत्रिम अंग केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में पर्यावरण सुधार की दिशा में अनूठी पहल की गई। सत्यसांई स्कूल के पीछे स्थित कृत्रिम अंग केन्द्र पर आयोजित एक कार्यक्रम में अमानक प्लास्टिक का उपयोग प्रतिबंधित करने तथा पीने के पानी के लिए केवल कांच या स्टील की बोतल का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गई। शपथ लेते समय सभी लोगों ने कांच की बोतल हाथ में लेकर प्रदर्शित भी की।

कृत्रिम अंग केन्द्र के सचिव विनय जैन तथा दिगम्बर जैन महिला महासमिति की अध्यक्ष अनिता सोगानी एवं सचिव साधना गांधी ने बताया कि समाजसेवी हरि अग्रवाल, महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती मंजू अजमेरा एवं भारतीय महिला परिषद की केन्द्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा विनायका के आतिथ्य में इस मौके पर दिव्यांगजनों का सम्मान भी किया गया और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक परिसंवाद का आयोजन भी किया गया। अध्यक्षता डॉ. सुनंदा जैन अर्पण ने की। विशेष अतिथि के रूप में लायंस क्लब अर्पण की अध्यक्ष श्रीमती मानी जोशी ने भी विचार रखे। परिसंवाद में हरि अग्रवाल, पवन बाकलीवाल, अभिभाषक कमल गुप्ता, साधना गांधी एवं अशोक गंगवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं की आम राय थी कि पर्यावरण की दिशा में समाज में जागरुकता और चेतना लाए बिना सकारात्मक नतीजे नहीं मिल सकते। प्लास्टिक की बोतलों में पेयजल का उपयोग होने से लोगों को अनेक गंभीर बीमारियों का शिकार होना पड़ रहा है। अतिथियों का स्वागत पुष्पा कटारिया एवं वीणा जैन ने किया।

इस अवसर पर शपथ अधिकारी संध्या प्रमोद जैन ने उपस्थित सैकड़ों बंधुओं को शपथ दिलाई कि वे पर्यावरण सुधार के लिए प्रत्येक वर्षाकाल में नियमित रूप से पौधे रोपेंगे, अमानक प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे तथा पीने के पानी के लिए केवल कांच की अथवा स्टील की बोतल या बर्तन का ही उपयोग करेंगे। संचालन अनिल भोजे ने किया। आभार माना कृत्रिम अंग केन्द्र के सचिव विनय जैन ने।

29 जून को अन्नपूर्णा मंदिर से निकलेगी रथयात्रा

निपान्या स्थित इस्कॉन मंदिर पर कल भगवान जगन्नाथ का जन्मोत्सव

भगवान जगन्नाथ को बुखार आने से मंदिर के पट बंद रहेंगे, इंदौर-उज्जैन सहित 25 नगरों में निकलेगी यात्रा

गुड इवनिंग, इंदौर

निपान्या स्थित इस्कॉन मंदिर पर बुधवार, 11 जून को भगवान जगन्नाथजी का प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। रविवार, 29 जून को पुरी के जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर विशाल रथयात्रा इस बार अन्नपूर्णा मंदिर से राजबाड़ा स्थित गोपाल मंदिर तक निकाली जाएगी। 27 जून से 5 जुलाई के बीच प्रदेश के 25 जिलों में भी जगन्नाथ रथयात्रा के आयोजन होंगे।

इस्कॉन मंदिर इंदौर के अध्यक्ष एवं इस्कॉन उत्तर भारत के महासचिव स्वामी महामनदास प्रभु ने बताया कि निपानिया स्थित इस्कॉन मंदिर में पुरी के जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर 11 जून को भगवान का प्राकट्योत्सव मनाया जाएगा, जिसमें उनका पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा। अभिषेक स्नान यात्रा से भगवान को शीत लगकर बुखार आ जाने के कारण इस्कॉन इंदौर मंदिर 28 जून तक बंद कर दिया जाएगा। इस अवधि में मान्यता है कि वैद्यराज द्वारा भगवान की बीमारी का उपचार किया जाता है और पूर्ण स्वस्थ होने के बाद वे 29 जून को स्वस्थ होकर अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विशेष रूप से निर्मित रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकलेंगे।

सोमवार को रथयात्रा की तैयारियों के लिए इस्कॉन इंदौर के प्रमुख स्वामी महामनदास प्रभु की अध्यक्षता में रथयात्रा समिति की बैठक संपन्न हुई है, जिसमें विभिन्न समितियों का गठन करने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में रथयात्रा प्रभारी हरि अग्रवाल, संयोजक किशोर गोयल, शैलेन्द्र मित्तल, कतर से पधारे लक्ष्मणदास प्रभु, गिरधर गोपाल प्रभु, अच्युत गोपाल प्रभु, श्रीनिकेतन प्रभु एवं अद्विधरण प्रभु भी उपस्थित थे। इस बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इस वर्ष जगन्नाथ रथयात्रा का शुभारंभ 29 जून को अन्नपूर्णा मंदिर से दोपहर 1 बजे से होगा। रथयात्रा नरेन्द्र तिवारी मार्ग से रणजीत हनुमान मंदिर, महूनाका, छत्रीपुरा, बियाबानी, मालगंज चौराहा से मल्हारगंज, टोरी कार्नर, गोराकुंड, खजूरी बाजार, राजबाड़ा होते हुए गोपाल मंदिर पहुंचेगी, जहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देश-विदेश के इस्कॉन से जुड़े संत एवं भक्त अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इंदौर एवं उज्जैन के साथ ही प्रदेश के 25 शहरों में 27 जून से 5 जुलाई के बीच जगन्नाथ रथयात्रा के आयोजन होंगे।

फाइलफोटो

योग महाकुंभ में शहर की अनेक प्रमुख संस्थाएं भी बनी भागीदार

गुड इवनिंग, इंदौर

अग्रसेन योद्धा के सभी नौ विधानसभा प्रभारी और 85 वार्ड प्रभारी अपने क्षेत्रों में 11 से 18 जून तक 350 से अधिक कालोनियों में अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने के लिए अभियान चलाएंगे। संस्था छवि एवं अन्य संगठनों द्वारा 20 जून को दशहरा मैदान पर सुबह 6 से 8 बजे तक होने वाले योग महाकुंभ में 10 हजार से अधिक साधकों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

अग्रसेन योद्धा टीम के प्रमुख संजय बांकड़ा ने बताया कि इस वृहद आयोजन के प्रति शहर के नागरिकों में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अग्रसेन योद्धा टीम के सभी विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारी संजय अग्रवाल (गोल्ड क्वाइन ट्रस्ट), अजय मित्तल (नंदानगर), राजेन्द्र गोयल (समाधान), पिंकेश मोदी, के.के. अग्रवाल (विजय नगर), नितिन अग्रवाल (एयरपोर्ट), रितेश राजवंशीय, विकास जिंदल के साथ संस्था छवि के प्रमुख गोपाल गोयल (भाजपा) के नेतृत्व में आज मीरापथ स्थित कार्यालय पर सभी प्रभारियों की बैठक संपन्न हुई, जिसमें तय किया गया कि शहर की सभी नौ विधानसभा सीटों एवं 85 वार्डों के प्रभारी एवं शहर की 350 से अधिक कालोनियों में बनाए गए प्रभारियों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने और उन्हें नियमित रूप से योग के लिए प्रेरित करने के लिए एक समयबद्ध अभियान 11 जून से चलाया जाएगा। इस योग महाकुंभ में हरिओम योग केन्द्र चेरेटिबल ट्रस्ट, योग टेम्पल, पंचकर्म आयुर्वेद एवं नेचरोपैथी सेंटर, अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन, टैक्स प्रेक्टिसनर्स संगठन इंदौर, हेल्थ सेंट्रल इंदौर एवं संस्था प्रहरी के पदाधिकारियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराने का संकल्प व्यक्त किया है। योद्धा टीम के राजेश मित्तल (मालवा मील), मनोज अग्रवाल (अन्नपूर्णा) एवं धर्मेन्द्र गर्ग ने बताया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में 18 जून तक क्षेत्र के प्रभारियों की बैठकें होंगी, जिनमें इस योग महाकुंभ में अधिक से अधिक संख्या में समाजबंधुओं को जोड़ने का आव्हान किया जाएगा। बैठक में शहर में योग गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने के अभियान के समन्वयक किशोर गोयल भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

व्यास की पुण्यतिथि पर कल पुष्पांजलि

गुड इवनिंग, इंदौर

गीता भवन के प्रबंध न्यासी रहे एन.एम. व्यास की 27वीं पुण्यतिथि बुधवार 11 जून को सुबह 10 बजे से गीता भवन सत्संग सभागृह में मनाई जाएगी। गीता भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राम ऐरन, मंत्री रामविलास राठी एवं मनोहर बाहेती ने बताया कि राजस्थान के जोधपुर पधारे संत भगतराम महाराज हनुमत स्नेही के सानिध्य में गीता भवन ट्रस्ट मंडल के सदस्य एवं स्व. व्यासजी के स्नेहीजन सुबह सत्संग सभा के बाद उनके चित्र पर पुष्पांजलि समर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

कौन बनेगा कॉमेडी क्वीन कार्यक्रम 12 को

इंदौर। महिला प्रकोष्ठ, अग्रवाल समाज द्वारा गुरुवार, 12 जून को अपनी सखियों के लिए कौन बनेगा कॉमेडी क्वीन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हास्य कलाकार स्टैंडअप कामेडियन जगृत थिरवानी के मुख्य आतिथ्य में हास्य और मनोरंजन से भरपूर महफिल सजाई जाएगी। प्रकोष्ठ की प्रमुख प्रतिभा मित्तल एवं कार्यक्रम संयोजक निकिता बंसल ने बताया कि अब तक प्रकोष्ठ की 80 सखियों ने इस कार्यक्रम के लिए पंजीयन करा लिया है। ये सभी सखियां हमारे रोजमर्रा जीवन से जुड़े विषयों, जैसे घर, ऑफिस, दोस्त, सड़क, मंदिर, शॉपिंग तथा स्कूल-कॉलेज से संबंधित टॉपिक पर पांच-पांच मिनट में अपनी प्रस्तुतियां देंगी। इन सभी सखियों को सात-सात के समूहों में बांटकर अलग-अलग विषयों पर कॉमेडी की प्रस्तुति देना होगी। कार्यक्रम की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

ईंट निर्माण ठप होने से शहर में चल रहे निर्माण कार्यों की रफ्तार प्रभावित, मदद का आश्वासन

विजयवर्गीय को सौंपा ज्ञापन

गुड इवनिंग, इंदौर

मौसम की मार से राज्य के ईंट निमार्ताओं को करोड़ों की आर्थिक क्षति पहुंची है। शहर के 600 से अधिक ईंट भट्टों पर पकने के लिए रखी गई मिट्टी की ईंटें मलबे में बदल गई है, जिससे निर्माण कार्यों की रफ्तार भी धीमी पड़ गई है। ईंट भट्टा संचालक पहले ही कर्ज से लदे हुए हैं। अब प्राकृतिक आपदा के कारण शहर के विकास कार्यों पर भी असर पड़ रहा है, वहीं ईंट भट्टा संचालकों में भी फिर से उठ खड़े होने की ताकत नहीं बची है। राज्य के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस स्थिति में ईंट भट्टा संचालकों को आश्वस्त किया है कि पीड़ित भट्टा संचालकों को शासन एवं प्रशासन से हर संभव सहायता दिलाई जाएगी।

म.प्र. ब्रिक्स मेन्यू. एसो. के अध्यक्ष रमेश प्रजापति, संरक्षक मांगीलाल रेडवाल एवं रमेश चंद्र कश्यप के नेतृत्व में एक शिष्ट मंडल ने विजयवर्गीय से भेंट कर उन्हें कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा और हाल ही अतिवृष्टि से हुई तबाही का पूरा ब्यौरा दिया। विजयवर्गीय को बताया गया कि हर सीजन में भट्टा संचालक कर्ज लेकर अपना ईंट निर्माण का कुटीर उद्योग चलाते हैं, लेकिन इस बार हुई तबाही ने ईंट निमार्ताओं की कमर तोड़ दी है। शहर के 600 भट्टों पर रखी कच्ची ईंटें मलबे में बदल गई। इस कारण निर्माण कार्य भी ठप पड़ गए हैं । अनेक भट्टों पर मलबे का ढेर अभी भी नहीं हटाया जा सका है । नई ईंटों का उत्पादन बंद हो गया है, जिससे विकास कार्य भी ठप पड़ गए हैं। वर्ष 2006 में जिला प्रशासन ने भट्टा संचालकों को मौसम से हुई तबाही का आर्थिक मुआवजा दिया था, जबकि इस बार तो जबर्दस्त तबाही हुई है, इसलिए शासन एवं प्रशासन से उचित मुआवजा दिलाया जाए। विजयवर्गीय ने विश्वास दिलाया कि वे हर संभव मदद दिलाएंगे।

हेल्थ केयर शिविर में 783 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

आधुनिक मशीनों से कई तरह की जांच

गुड इवनिंग, इंदौर

असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग और अरविंदो मेडिकल कॉलेज द्वारा सीएमराइज स्कूल नन्दा नगर में प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में 783 लोगों का पंजीयन किया गया और विभिन्न विभागों द्वारा विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया।

शिविर में 783 लोगों की कैंसर, टीबी, हड्डी, हार्ट, लीवर एवं गठिया रोग, दंत रोग एवं नेत्र रोगों आदि से जुड़ी लगभग 4600 से अधिक जांचें की गई। इनमें मुख्य रूप से 376 एचबी, 480 आरबीएस, 274 एसजीपीटी, 274 एसजीओटी, 274 लिपिड प्रोफाइल, 173 ईसीजी, 165 फाइब्रोस्कैन, 91 चेस्ट एक्सरे, 129 ईको, 136 यूएसजी, 35 मैमोग्राफी, 30 पेपस्मियर, 276 जनरल मेडिसिन, 184 आर्थो, 139 कॉर्डियोलॉजी, 106 गैस्ट्रोलॉजी, 55 टीबी चेस्ट स्क्रीनिंग, 55 गाइनेकोलॉजी जांचें विशेष रूप से शामिल हैं। शिविर का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी माधव हसानी ने किया। संभागायुक्त दीपक सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाए। अरविंदो अस्पताल के चेयरमैन डॉ. विनोद भंडारी ने बताया कि प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में विभिन्न जांचों के दौरान ऐसे मरीजों को विशेष रूप से चिन्हित किया गया जो पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं अथवा जिनके निकट भविष्य में किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने की संभावना है। ऐसे मरीजों को चिकित्सकीय सलाह एवं अन्य आवश्यक जानकारियां भी दी गई। शिविर में कैंसर, पेट से जुड़े रोग, नेत्र, दंत, जनरल मेडिसिन, हृदय रोग, लीवर और टीबी आदि रोगों की जांच एवं इलाज के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित थे।

2300 से ज्यादा स्थानों पर रूफ सोलर नेट मीटर संयंत्र लगे

कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी बढ़ रहा है सौर ऊर्जा को लेकर ज्ञान

गुड इवनिंग, इंदौर

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लागू होने के बाद इंदौर जिले के कस्बाई एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी मेरी छत मेरी बिजली का नारा बुलंद हुआ हैं। वर्तमान में 2300 स्थानों पर रूफ टॉप सोलर नेट मीटर योजना के तहत बिजली उत्पादन हो रहा हैं।

सैंकड़ों उपभोक्ताओं की पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत 78 हजार रूपए की सब्सिडी डीबीटी के माध्यम से प्राप्त हो चुकी हैं। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ग्रामीण वृत्त के अधीक्षण अभियंता डॉ. डीएन शर्मा ने बताया कि हातोद, तिल्लौर, देपालपुर, कनाडिया, धरमपुरी, सांवेर, महू, महूंगांव, गौतमपुरा, गूर्जरखेड़ा, दुधिया, नावदापंथ, भौरसला, मांगलिया, बेटमा, मानपुर में सौर ऊर्जा को लेकर काफी लोग आगे आए हैं। प्रतिमाह यहां सौर ऊर्जा संयंत्र को लेकर प्रकरण मंजूरी के लिए आ रहे हैं। इन्हें वितरण केंद्र प्रभारी एवं कार्यपालन यंत्री समय पर मंजूरी दे रहे हैं, इसी से ना केवल रूफ टॉप सोलर नेट मीटर संयंत्र समय पर स्थापित हो रहा है, बलकि केंद्र शासन से मिलने वाली अधिकतम 78 हजार रूपए की सब्सिडी भी समय पर उपभोक्ताओं के बैंक खातों में डीबीटी से मिल रही हैं। समय पर संयंत्र स्थापना और शासन से सब्सिडी भी दो तीन सप्ताह में मिलने से ज्यादा लोग इस पर्यावरण हितैषी योजना की ओर आकर्षित हो रहे हैं। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि कस्बों एवं ग्रामीण इलाकों के बिजली उपभोक्ताओं को समय समय पर शिविरों के माध्यम से एवं योजना लाभ के अन्य फोल्डर, पोस्टर, वीडियो, फोटो, समाचार के माध्यम से जानकारी दी जाती हैं। इसी कारण एक वर्ष के दौरान ही रूफ टॉप सोलर मीटर वालों की वृत्त स्तर पर संख्या सत्तर प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं।

फाइलफोटो

36 से 40 माह में लागत वसूल

अधीक्षण अभियंता डॉ. शर्मा ने बताया कि रूफ टॉप सोलर नेट मीटर लगाने वालों को पात्रतानुसार वर्तमान में तीन किलो वाट तक के संयंत्र पर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत 78 हजार की सब्सिडी मिल रही है। उपभोक्ताओं को मात्र एक लाख रूपए की लागत लगाना होती हैं। यह बिजली के बिल की राशि की बचत के रूप में मात्र 36 से 40 माह में ही वसूल हो जाती हैं। जबकि सौलर पैनल्स 20 से 25 वर्ष तक बिजली उत्पादन करती हैं।

बारिश के पहले शहर में हो जाना चाहिए सड़कों का पैचवर्क

जनकार्य विभाग व उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक

गुड इवनिंग, इंदौर

महापौर ने जनकार्य विभाग व उद्यान विभाग के कार्यो की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जनकार्य एवं उद्यान विभाग प्रभारी, अपर आयुक्त, अधीक्षण यंत्री सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने उद्यान विभाग की समीक्षा के दौरान शहर में हरियाली के उददेश्य से शहर के मध्य ऐसे उद्यान जहां पर डेन सिटी फॉरेस्ट का निर्माण किया जा सकता है, ऐसे स्थानो को चिंहित करने का कहा, जिसमें सर्वप्रथम झोन क्रमांक 15 वार्ड क्रमांक 71 में स्वास्तिक नगर स्थित उद्यान को डेन सिटी फॉरेस्ट का निर्माण करने के निर्देश दिए गए। महापौर श्री भार्गव द्वारा शहर के सभी जोन क्षेत्र में एक-एक युरेशिया गार्डन की तर्ज पर उद्यान का निर्माण करने के संबंध में वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की, साथ ही शहर के ग्रीन बेलट, मिडियन, डिवाईडर व रोटरी की हरियाली की सुरक्षा के लिए आवश्यकतानुसार फेंसिंग व दीवार निर्माण के संबंध में भी निर्देश दिए। शहर के नेहरू पार्क उद्यान, मेघदूत उद्यान विकास कार्यो की समीक्षा के दौरान विश्राम बाग उद्यान में चल रहे विकास कार्यो की भी जानकारी ली गई। इसके साथ ही महापौर द्वारा जनकार्य विभाग की भी समीक्षा की। महापौर श्री भार्गव ने निर्देशित किया कि वर्षाकाल के पूर्व ही शहर के ऐसे प्रमुख मार्ग जहां पर पेचवर्क कार्य की आवश्यकता है, वहां पर अनिवार्य रूप से गडढे भरते हुए, पेचवर्क का कार्य किया जाए, ताकि वर्षाकाल के दौरान नागरिको को आवागमन में सुगमता हो। साथ ही शहर के ऐसे चौराहे जहां पर लेफ्ट टर्न में सुधार की आवश्यकता है, ऐसे स्थानो का विभाग द्वारा सर्वे करते हुए, कार्य करवाने का कहा गया। महापौर श्री भार्गव द्वारा शहर की मास्टर प्लान की सड़कों की वर्तमान स्थिति व संजीवनी क्लीनिक के संबंध में भी जोनवार जानकारी ली गई।

भदौरिया बने इंदौर के डीपीओ

इंदौर। मप्र शासन ने राजेंद्र भदोरिया को इंदौर का नया डीपीओ बनाया है। उन्होंने कल अपना पदभार संभाल लिया। इससे पहले भी भदोरिया इंदौर में एडीपीओ रह चुके हैं। कई चर्चित मामलों में आरोपियों को सजा दिलाने के लिए उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। इंदौर में उनके पदस्थ होने से अभियोजन अधिकारियों के काम में अब और कसावट आएगी । फिलहाल वे देवास के डीपीओ थे जहां कई मामलों में पुलिस को वाहवाही मिली और आरोपियों को सजा हुई।

स्थानांतरण को लेकर दायर की गई केविएट

इंदौर। आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और शिक्षकों के विधि संगत स्थानांतरण प्रदेश के विभिन्न कार्यालय और शिक्षण संस्थाओं में किए हैं।

स्थानांतरण को लेकर अधिकारी-कर्मचारी और शिक्षकों द्वारा संभावित न्यायालयीन रिट याचिकाओं को ध्यान में रखते हुए विभाग ने उच्च न्यायालय जबलपुर के साथ ही खंडपीठ इंदौर और ग्वालियर में शासन के पक्ष में केविएट दायर की है। विभाग ने अधिकारी-कर्मचारी एवं शिक्षकों को इस संदर्भ में विधिवत सूचित किया है कि उनके द्वारा दायर किए जाने वाले संभावित न्यायालयीन प्रकरणों में शासन का पक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा।

जिनके नाम पर बसा चंदन नगर नहीं रहे चंदू

गुड इवनिंग, इंदौर

चंदू कुरील इस शहर में वह जाना पहचाना नाम है, जिसने हजारों गरीब परिवारों के घर का सपना साकार किया। जिनके नाम पर बसा है चंदन नगर। चंदू कुरील कल सोमवार को नहीं रहे। जब भी शहर में अवैध कॉलोनियों की बात होती थी चंदू कुरील का नाम नहीं लिया जाए ऐसा हो नहीं सकता। जब गरीब लोग वैध कालोनियों में मंहगे प्लाट नहीं खरीद सकते थे तब कुरील ने चंदन नगर ही नहीं सिकंदराबाद कॉलोनी और अन्य कई अवैध कॉलोनीयां बसा दी और हजार दो हजार में प्लाट दिए। चंदू कुरील का कद यूं तो कांग्रेस की राजनीति में काफी बड़ा था। सभी कांग्रेसी नेता उनके धन वैभव को देखकर अपने साथ रखने के लिए लालायित रहते थे। लगभग इंदौर के सभी बड़े नेताओं ने उन्हें साथ रखा। उनका उपयोग किया लेकिन उन्हें सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का मौका कम ही मिला। जीवन भर वे विधायक और राज्यसभा सदस्य बनने के सपने देखते रहे, लेकिन यह सपने कभी पूरे नहीं हुए। एक बार वे महेश जोशी की कृपा से नंदलालपुरा क्षेत्र से कांग्रेस के पार्षद जरूर चुने गए। यह चुनाव काफी कठिन था क्योंकि यहां सुमित्रा ताई ने खटीक समाज से भाजपा उम्मीदवार उतारा था। यहां पुनर्मतदान के बावजूद कुरील ने जीत दर्ज की। धन दौलत भी उन्होंने खूब कमाई, लेकिन अपने सूर्यवंशी कुरील समाज से कभी दूर नहीं हुए।

इंदौर को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना एक गर्व का विषय: राजेश उदावत

गुड इवनिंग, इंदौर

नगर निगम के महापौर परिषद सदस्य, आईटी प्रभारी एवं वार्ड 49 के पार्षद श्री राजेश उदावत ने रूस के निजनी नोवगोरोड में 5-6 जून को आयोजित ग्लोबल डिजिटल फोरम में भाग लेकर भारत, और विशेष रूप से इंदौर का प्रभावशाली प्रतिनिधित्व किया। फोरम में उन्होंने इंदौर के स्मार्ट सिटी मॉडल, डिजिटल गवर्नेंस, नागरिक-केंद्रित आईटी सेवाएं और तकनीकी नवाचारों पर अपने विचार साझा किए। उनके व्याख्यान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खूब सराहा गया और इंदौर की पहलों ने वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया।

यात्रा के दौरान श्री उदावत ने मॉस्को सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री एडुआर्ड लिसेंको और उनके वरिष्ठ सलाहकार श्री दिमित्री ओनटोएव से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठक में इंदौर और मॉस्को के बीच स्मार्ट सिटी परियोजनाओं, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर गहन चर्चा हुई।

इसके साथ ही, श्री उदावत ने संयुक्त राष्ट्र (वठ), संयुक्त अरब अमीरात (वअए), थाईलैंड सहित कई अन्य देशों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की, जिनके साथ डिजिटल गवर्नेंस, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर विचार-विमर्श हुआ। यह संवाद इंदौर के लिए वैश्विक साझेदारियों और तकनीकी सहयोग के नए द्वार खोल सकते हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा प्रस्तावित इंदौरझमॉस्को स्मार्ट सिटी सहयोग समझौता पर भी प्रारंभिक स्तर की औपचारिक वार्ता हुई, जो भविष्य में दोनों शहरों के बीच तकनीकी और प्रशासनिक आदान-प्रदान को सुसंगठित बनाएगी।

राजेश उदावत ने यात्रा के दौरान कहा, यह मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय रहा कि मैंने इंदौर की सफलताएं और दृष्टिकोण दुनिया के साथ साझा किए। यह यात्रा इंदौर के लिए वैश्विक अवसरों के नए द्वार खोलेगी।

बोले- बेटियों की शिक्षा तथा कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी

जनजातियों के विरुद्ध झूठे प्रकरणों की जांच कर कर कार्रवाई करें : सीएम

गुड इवनिंग, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सोमवार को ब्योहारी में राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन में शामिल हुए, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यहां अपने सम्बोधन में कहा कि जनजातीय समाज का समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास रहा है, समाज ने देश की स्वतंत्रता एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनजातीय कोल समाज प्राचीन काल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है। जनजातीय समाज के अनेक नायकों ने अपना बलिदान देकर जल, जंगल, जमीन एवं अंग्रेजों से लड़कर देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में जहां कोल जनजाति के लोग निवासरत हैं और जिनके पट्टे नहीं बने हैं, जांच कराकर पट्टा देने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारी देशभक्त जनजातीय महानायक भगवान बिरसा मुण्डा की बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज शहडोल में प्रतिमा तथा बाणसागर जलाशय में बाणभट्ट की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की।

55 विकास कार्यों का लोकार्पण ओर 52 कार्यों का भूमिपूजन किया-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समाज के बेटा, बेटियों की शिक्षा तथा कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। प्रदेश के सभी संभागों में 24-24 करोड़ के लागत वाले 100-100 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास एवं परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यौहारी में राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 330 करोड़ रूपए लागत के 55 विकास कार्यों का लोकार्पण ओर 52 कार्यों का भूमिपूजन किया।

जनजातियों के विरूद्ध होने वाले झूठे प्रकरणों की जांच-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रक्षाबंधन में प्रदेश की लाडली बहनों को उपहार स्वरूप 250 रूपए सप्रेम दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातियों के विरूद्ध होने वाले झूठे प्रकरणों की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी स्कूली पाठ्क्रम में शामिल करने तथा 13 जिलों में कन्या शिक्षा परिसरों का नाम माता शबरी के नाम पर रखने की घोषणा की।

जनजातीय नायकों का स्मरण-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भभूतसिंह के योगदान का स्मरण भी किया। राजा भभूतसिंह के सम्मान में उनके शासन केंद्र पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कौल समाज में अनेक गौरवशाली व्यक्तित्व रहे हैं इनमें बुधु भगत और मदारा महतो भी शामिल हैं। कौल समाज इनके कृतित्व से गौरवान्वित है। वर्ष 1831 और 1832 में इन जनजातीय नायकों के नेतृत्व में अंग्रेजों के अत्याचारों के विरूद्ध संघर्ष किया था। कौल समाज के बंधुओं ने भगवान श्रीराम के लिए पर्णकुटी बनाई थी। यह देश भक्त समाज है। जनजातीय समाज का इतिहास ऐसे महापुरूषों से गौरवशाली है। रानी दुर्गावती के सम्मान में सिंग्रामपुर में भी कैबिनेट बैठक आयोजित की गई।

मुख्यमंत्री ने जिले के विकास के लिए दी अनेक सौगातें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल जिले के विकास के लिए अनेक सौगात की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने शहडोल नगर की पेयजल व्यवस्था के लिए 28 करोड़ रुपए, ग्राम पंचायत निपनिया में कॉलेज खोलने, सरसी आईलैण्ड में जल पर्यटन को विकसित करने, जयसिंहनगर तहसील के चरकी डोल से ओदारी नदी में 13 करोड़ रुपए की लागत से पुल का निर्माण करने, जिला सतना के रामपुर बघेलान तहसील के भगदेवरा किला का जीर्णोद्धार कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल जिले के मिनी ब्राजील ग्राम विचारपुर की 9 फुटबाल टीमों को 10 लाख रूपए देने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश के बच्चे खूब खेले, आगे बढ़े दुनिया में नाम कमाएं। उन्होंने सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने वाले दलों के सदस्यों को भी 5-5 हजार रूपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों और स्व-सहायता समूहों आदि को हितलाभ वितरण किया। उन्होंने सम्मेलन स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की।

कैबिनेट बैठक, मंत्रियों को योजनाओं-कामों के प्रचार की मिलेगी जिम्मेदारी

गुड इवनिंग, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मंत्रालय में होने वाली कैबिनेट बैठक में मंत्रियों को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। इस बैठक में मंत्रियों को उनके प्रभार वाले जिलों में बैठकें करने और जनता को मोदी सरकार के 11 साल के कार्यों की जानकारी देने के निर्देश दिए जा सकते हैं।

बैठक आज सुबह 11 बजे मंत्रालय में होगी, जिसमें मुख्यमंत्री मंत्रियों से यह उम्मीद कर सकते हैं कि वे एक महीने के भीतर अपने प्रभार के जिलों का दौरा करें और केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं। इसमें विशेष रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' और केंद्र सरकार की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभाएं आयोजित करने के निर्देश दिए जा सकते हैं। इसके साथ ही, जाति जनगणना को लेकर केंद्र सरकार द्वारा तय की गई टाइमलाइन और इसके उद्देश्यों की जानकारी भी जनता तक पहुंचाने के लिए मंत्रियों को दिशा-निर्देश दिए जा सकते हैं।

बैठक में सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना को लेकर होने वाली समिट पर भी चर्चा होगी। इस योजना का समिट आज कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। छोटे निवेशकों और किसानों की सौर ऊर्जा उत्पादन में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की जा रही इस योजना से पावर सेक्टर को और सशक्त बनाने की दिशा में कैबिनेट निर्णय ले सकती है।

मुख्यमंत्री बैठक के बाद समिट में भाग लेकर निवेशकों को योजना की जानकारी देंगे। इस योजना के तहत विद्युत सब-स्टेशनों की 100 प्रतिशत क्षमता तक सौर परियोजनाएं स्थापित करने, 'वोकल फॉर लोकल' के तहत स्थानीय उद्यमियों को निवेश एवं रोजगार के अवसर प्रदान करने का प्रावधान है। इसमें 25 सालों तक शासन के साथ विद्युत क्रय अनुबंध किया जाएगा।

योजना के अंतर्गत प्रदेश में 1900 से अधिक सब-स्टेशनों पर 14,500 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं के लिए विकल्प उपलब्ध हैं। इसके अलावा, परियोजनाओं को एग्रीकल्चर इन्फ्रा फंड से 7 वर्षों तक 3 प्रतिशत ब्याज में छूट देने का प्रावधान भी किया गया है।

भोपाल में खदान में मिले 2 बच्चों के शव, नहाने गए थे

भोपाल। सूखी सेवनिया इलाके में सोमवार दोपहर एक खदान में दो बच्चों के शव मिले हैं। ये दोनों रविवार सुबह से लापता हो गए थे। 13 साल का मोहित और 9 साल का केशव आपस में कजिन थे। यह बच्चे रविवार सुबह घर से निकले थे, परिजन समझे थे कि हैंडपंप से पानी भरने जा रहे हैं, लेकिन वह कभी लौटे ही नहीं। घटना सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र की है। पिछले छह दिन से मोहित अपनी बुआ के घर आया हुआ था। रविवार सुबह करीब 10 बजे वह केशव के साथ निकला। जब एक घंटे तक भी दोनों घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने खुद ही तलाश शुरू कर दी।

काफी देर ढूंढने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला, तो पुलिस को सूचना दी गई। सोमवार दोपहर करीब 1 बजे दोनों के शव सूखी सेवनिया क्षेत्र में स्थित एक पुरानी खदान के पानी भरे गड्ढे में मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भिजवाया।

आधे घंटे बाद ही तलाशना शुरू कर दिया था- केशव के मामा और मोहित के चाचा कमलेश भारती ने बताया कि बच्चे 10 बजे निकले थे। आधे घंटे बाद से ही उन्हें तलाशना शुरू कर दिया था। खदान के गड्ढे में पत्थर और गिट्?टी पड़ी रहती है, वहां बच्चे कैसे पहुंचे और क्या हुआ यह हम नहीं समझ पा रहे हैं। यह हादसा है या कोई और बात, अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

मोती सागर तालाब में डूबे दो बच्चे-आगर मालवा में मोती सागर तालाब में नहाने गए दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई। घटना सोमवार शाम 6.30 बजे की है। मृतक की पहचान विनय (14) पिता शैलेंद्र राठौर और कृष्णा (16) पिता कमलेश बैरागी के रूप में हुई है।

ग्वालियर में 15 सैंपल में 6 कोरोना पॉजिटिव

बद्रीनाथ से लौटे युवक का पूरा परिवार संक्रमित, कुल 12 एक्टिव केस

गुड इवनिंग, ग्वालियर

कोविड जांच में सोमवार को कोरोना विस्फोट हुआ है। कोविड जांच के लिए भेजे गए महज 15 सैंपल में से 6 लोग पॉजिटिव पाए गए। इससे शहर में एक्टिव केस की संख्या अब 12 हो गई है। रविवार को बद्रीनाथ से लौटे मुरार एमएच चौराहा निवासी 41 वर्षीय व्यक्ति को कोविड की पुष्टि हुई थी। इसके बाद सोमवार को उसकी पत्नी और दो नाबालिग बेटियों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आ गई। बेटियों की उम्र 13 और 14 साल बताई जा रही है।

बद्रीनाथ से लौटे युवक के लक्षण बढ़े, परिवार भी चपेट में-यह युवक 29 मई को बद्रीनाथ धाम के दर्शन के लिए गया था और 6 जून को लौटा था। घर लौटने के बाद उसे सर्दी, बुखार और जुकाम की शिकायत हुई। पहले निजी डॉक्टर को दिखाया, लेकिन आराम नहीं मिला। इसके बाद जिला अस्पताल मुरार में डॉक्टरों ने लक्षणों को गंभीर मानते हुए कोविड जांच करवाई, जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

भोपाल से लौटा 71 वर्षीय वृद्ध भी संक्रमित निकला-शिंदे की छावनी निवासी 71 वर्षीय बुजुर्ग, जो दो दिन पहले भोपाल से लौटे थे, उन्हें भी सर्दी-जुकाम और बुखार की शिकायत थी। जांच कराने पर उनकी रिपोर्ट भी कोविड पॉजिटिव आई है।

गुढा और एबी रोड की दो महिलाएं भी पॉजिटिव-कोविड जांच में सोमवार को दो और महिलाएं संक्रमित पाई गईं। इनमें गुढा निवासी 42 वर्षीय महिला और दुगार्पुरी कॉलोनी, एबी रोड निवासी 33 वर्षीय महिला शामिल हैं। दोनों को सर्दी-खांसी और बुखार होने पर डॉक्टर ने जांच की सलाह दी थी।

काशीराम के चारों परिजन निगेटिव-शिवपुरी लिंक रोड निवासी काशीराम की कोविड जांच निगेटिव आई है। उनके संपर्क में आए चारों परिजनों की रिपोर्ट भी निगेटिव रही, जिससे परिजन और स्वास्थ्य विभाग ने राहत की सांस ली है।

खेल गतिविधियों का किया अवलोकन

गुड इवनिंग, भोपाल

सचिव खेल मंत्रालय एवं महानिदेशक भारतीय खेल प्राधिकरण हरिरंजन राव और सचिव युवा कल्याण डॉ. पल्लवी जैन गोविल ने सोमवार को भोपाल में मध्यप्रदेश की खेल और युवा कल्याण की गतिविधियों का अवलोकन किया और योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली।

सुविधाओं का अवलोकन किया-सचिव हरिरंजन राव ने सुबह उद्धवदास मेहता भाईजी सेन्ट्रल रीजनल सेन्टर, भारतीय खेल प्राधिकरण गौरा-गांव, बिशनखेड़ी की सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने खेल और युवा कल्याण विभाग की शूटिंग, घुड़सवारी अकादमी, स्पोर्ट्स सांइस सेन्टर का भी अवलोकन किया। अतिरिक्त मुख्य सचिव खेल और युवा कल्याण मनु श्रीवास्तव के साथ तात्याटोपे स्टेडियम स्थित ध्यानचंद कॉन्फ्रेन्स हॉल में बैठक हुई। बैठक में सचिव खेल मंत्रालय हरिरंजन राव, संचालक खेल और युवा कल्याण राकेश गुप्ता, संचालक रीजनल सेन्ट्रल सेन्टर अभिषेक सिंह, सचिव साई विष्णुकांत तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

युवा कल्याण गतिविधियों एवं योजनाओं का प्रेजेन्टेशन-बैठक में खेल संचालक राकेश गुप्ता द्वारा विभाग की खेल और युवा कल्याण गतिविधियों एवं योजनाओं का प्रेजेन्टेशन दिया गया। खेल अकादमियों पर आधारित लघु फिल्म और खेलो बढ़ो अभियान की फिल्म को भी प्रदर्शित किया गया। सचिव श्री हरिरंजन राव ने मध्यप्रदेश के खेल और युवा कल्याण की गतिविधियों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए भारत सरकार से हर संभव मदद का अश्वासन दिया।

खेल स्पधाओं में रेल कर्मचारियोंका का उत्कृष्ट प्रदर्शन

भोपाल। मंडल क्रीड़ा परिषद, पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल द्वारा 03 जून से 08 जून 2025 तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताएं वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज एवं बेंच प्रेस जैसी श्रेणियों में संपन्न हुई। इस आयोजन में भोपाल मंडल के 100 से अधिक रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी द्वारा सम्मानित किया गया। मंडल क्रीड़ा परिषद ने खेल जगत की प्रतिभाओं को भी विशेष सम्मान प्रदान किया। इनमें जे. पी. यादव (क्रिकेट), कमल चावला (स्नूकर) एवं तनीषा असनानी (पॉवरलिफ्टिंग) प्रमुख रूप से शामिल रहे।समारोह के दौरान रेलवे अधिकारी विजय सिंह (वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी), प्रमोद जाधव (मंडल परिचालन प्रबंधक), विवेक अग्रवाल (मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता), एवं प्रिंस यादव (मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मप्र के तहसील मुख्यालयों पर भाकिसं का प्रदर्शन आज

भोपाल। मध्यप्रदेश में भारतीय किसान संघ उड़द-मूंग की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी न होने के कारण मंगलवार को प्रदर्शन करेगा। तहसील मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन किए जाएंगे। वहीं, सरकार के नाम ज्ञापन भी सौंपे जाएंगे। किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना ने बताया कि उड़द-मूंग की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी न होने के कारण प्रदेश के 16 से अधिक जिलों के किसान परेशान हैं। इसे लेकर कुछ जिलों में किसानों ने स्वप्रेरणा से आंदोलन छेड़ रखा है। अब भारतीय किसान संघ भी सभी तहसील मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन व ज्ञापन के कार्यक्रम करेगा। यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से होगा। इसके बाद भी यदि सरकार नहीं सुनेगी तो प्रदेश के सभी जिला केंद्रों पर ट्रैक्टर रैली जैसे उग्र प्रदर्शन किए जाएंगे।

मंडी अधिनियम की धारा 36 (3) का हो पालन

भारतीय किसान संघ के प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत गौर ने बताया, मंडी अधिनियम की धारा 36 (3) के अनुसार मंडी प्रांगण में ऐसी कृषि उपज जिसका सरकार ने समर्थन मूल्य घोषित किया है, उस उपज की घोषित समर्थन मूल्य से कम पर बोली प्रारंभ नहीं होने दी जाएगी। इस प्रकार का आदेश पत्र पूर्व में नर्मदापुरम जिले में जारी किया जा चुका है। जिसकी प्रतिलिपि जारी करते हुए महामंत्री गौर ने कहा कि यदि सरकार उड़द-मूंग की खरीदी नहीं करती है, तो प्रदेश सरकार सभी जिलों के कलेक्टर को मंडी अधिनियम की धारा 36 (3) का पालन सुनिश्चित कराने आदेश जारी करे।

बैठक में हो चुका निर्णय

प्रांत प्रचार प्रमुख राहुल धूत ने बताया कि भारतीय किसान संघ की रविवार को प्रदेश टोली बैठक हुई। जिसमें आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। टोली में महाकौशल प्रांत से प्रधानमंत्री एमएसपी समिति के सदस्य प्रमोद चौधरी, अभा प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटेल, प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मालवा प्रांत से प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना, राजेंद्र शर्मा, मध्यभारत प्रांत से क्षेत्र संगठन मंत्री महेश चौधरी, प्रांत महामंत्री चंद्रकांत गौर, प्रांत संगठन मंत्री मनीष शर्मा शामिल रहे।

सराफा बाजार से डबरा रेलवे स्टेशन का रास्ता खुलेगा

गुड इवनिंग, डबरा

रेलवे स्टेशन तक पहुंचने का रास्ता अब और सुगम होगा। नगर पालिका प्रशासन ने सराफा बाजार में सिंधी मार्केट के बाहर स्थित अस्थाई पुलिस चौकी को हटा दिया है। चौकी को अस्थायी रूप से शिशु मंगल रोड पर शिफ्ट किया गया है।

इस कदम से स्टेशन तक पहुंचने में आ रही परेशानी दूर होगी। साथ ही व्यापारिक गतिविधियों और बाजार की चहल-पहल में भी वृद्धि हुई है। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने नगर प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत किया है।

यह कार्रवाई ग्वालियर सांसद भरत सिंह कुशवाह के हालिया डबरा दौरे के बाद हुई है। उन्होंने डीआरएम दीपक कुमार के साथ स्टेशन का निरीक्षण किया था। इस दौरान सराफा बाजार से रास्ता खोलने की मांग रखी गई थी। डीआरएम की सहमति के बाद नगर पालिका ने दुकानदारों को नोटिस जारी किया।

नगर पालिका ने दुकानदारों को रात तक का समय दिया है। इस दौरान वे अपना सामान और अस्थायी दुकानें हटा सकते हैं। यह कदम डबरा में यातायात व्यवस्था सुधारने और नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। बता दें कि दुकानें हटाने के बाद रेलवे प्रशासन दीवार तोड़ेगा। उसके बाद जो मार्ग काफी समय से बंद हो गया था वह सुचारु होगा और लोगों को स्टेशन पहुंचने में आसानी होगी।

12.46 एकड़ कृषि भूमि फजीवाड़े से हड़पी, एडह की जांच में खुलासा

भोपाल में किसान के साथ दो करोड़ की ठगी

गुड इवनिंग, भोपाल

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की जांच में एक चौंकाने वाली धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है, जिसमें राजधानी भोपाल के एक किसान की 12.46 एकड़ कृषि भूमि फजीवाड़े से हड़प ली गई। आरोप है कि ट्राइडेंट मल्टीवेंचर्स नामक फर्म के संचालकों ने न केवल किसान को बहला-फुसलाकर रजिस्ट्री कराई, बल्कि भुगतान का झांसा देकर करीब दो करोड़ रुपए की रकम भी हड़प ली। इस संगठित साजिश में ट्राइडेंट मल्टीवेंचर्स के मास्टरमाइंड राजेश शर्मा, सहयोगी दीपक तलुसानी और राजेश तिवारी की भूमिका सामने आई है। तीनों पर भारतीय दंड संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

कैसे रची गई दो करोड़ की ठगी की साजिश ?-रातीबड़ निवासी शिकायतकर्ता चिंतामणि सिंह मारण की कृषि भूमि को हाईकोर्ट के आदेश पर उनके नाम किया गया था। इसके बाद राजेश शर्मा ने उन्हें जमीन के नामांतरण और बिक्री के नाम पर झांसा दिया। शिकायतकर्ता को पहले बैंक ऑफ इंडिया में तकनीकी दिक्कत का हवाला देकर ककक बैंक में नया खाता खुलवाया गया। लेकिन इस खाते में शिकायतकर्ता की जानकारी के बिना आरोपी राजेश तिवारी का मोबाइल नंबर और ईमेल कऊदर्ज कर दी गई।

इस फर्जी खाते में ?2.86 करोड़ के भुगतान का झूठा उल्लेख किया गया, जबकि असल में केवल ?81 लाख की राशि ही शिकायतकर्ता को मिली। बाकी रकम इसी फर्जी खाते से ट्रांसफर कर आरोपी राजेश तिवारी के कऊ बैंक खाते में भेज दी गई।

फर्जी चेक, डिजिटल फ्रॉड और स्टॉप पेमेंट

रजिस्ट्री में दर्शाए गए तीन चेक (प्रत्येक ?22 लाख) को बाद में 'स्टॉप पेमेंट' कर वापस ले लिया गया। डळढ और पासवर्ड के जरिए डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से खातों से रकम ट्रांसफर की गई। जांच में सामने आया कि सिर्फ कुछ घंटों के भीतर बड़ी रकम आरोपी के खाते में ट्रांसफर हो गई।

यह भी देखें

- 2.86 करोड़ का भुगतान रजिस्ट्री में दशार्या गया सिर्फ ?81.13 लाख शिकायतकर्ता को मिला
- 2.02 करोड़ की रकम धोखाधड़ी से हड़पी गई

फर्जी ईमेल, मोबाइल नंबर बैंक खाता ऑपरेट किया गया

- राजेश शर्मा : पूरे फजीवाड़े का मास्टरमाइंड। ककककमें फर्जी खाता खुलवाया, रजिस्ट्री करवाई और सभी लेन-देन पर नियंत्रण रखा।
- दीपक तलुसानी : फर्म ट्राइडेंट का अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता। फर्जी रजिस्ट्री में खरीदार के रूप में नाम दर्ज कराया।

गंगा दशहरा पर्व पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

गुड इवनिंग, खातेगांव

गंगा दशहरा के पावन पर्व पर नर्मदा तट नेमावर पर गुरुवार अल सुबह से ही श्रृध्दालुओं के आने सिलसिला जारी हैं। श्रद्धालुओं ने मॉ नर्मदा का स्नान कर दरिद्रनारयणों को दान पूर्ण किया । तेज धूप की चिलचिलाहट होने के बाद भी श्रृद्धा की पराकाष्ठा देखते ही बन रही थी। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान कर पुण्य लाभ कमाया।

गंगा दशमी पर देवों के देव महादेव का अभिषेक और भगवान विष्णु की अराधना भी की जाती है इसी के साथ मोक्ष दायनी मां गंगा का पूजन अर्चन भी किया जाता है।

गंगा दशहरा का क्यों है महत्व : पौराणिक तौर पर यह माना जाता है कि इस दिन गंगा स्वयं नर्मदा नदी में आकर मिलती है। इस दिन नर्मदा में स्नान करने से सभी पापों और कष्टों से मुक्ति मिल जाती है साथ ही इस दिन नर्मदा का जलस्तर भी बढ़ जाता हैं ।

भारी मात्रा में सुतली बम और बारूद मिला, गोदाम सील

गुड इवनिंग, देपालपुर

सोमवार को ग्राम जलोदिया पार में इंदौर निवासी संजय शर्मा द्वारा अवैध पटाखा फैक्ट्री संचालित कर अवैध रूप से पटाखा निर्माण कार्य किए जाने की सूचना मिली थी, जिस पर थाना देपालपुर पुलिस द्वारा ग्राम जलोदियापार के बाहर खेत में बने गोडाउन में जाकर दबिश दी गई व दो आरोपीगणो संजय शर्मा व हिमांशु शर्मा से भारी मात्रा में सुतली बम (करीबन 500) व पटाखे बनाने की सामाग्री जब्त की गई।

उक्त कार्य में निरीक्षक रणजीत सिह बघेल, सउनि कृष्ण कुमार राय, प्रआर देवकरण रावले, आरक्षक रवि सिंह तोमर, आर विरेन्द्र पटेल, आर सुनील गिरवाल का मुख्य योगदान रहा। कार्यवाही में देपालपुर एसडीएम राकेश कुमार त्रिपाठी, एसडीपीओ संघ प्रिय सम्राट, तहसीलदार लोकेश आहूजा के साथ पुलिस अधिकारी मौजूद थे क गोडाउन सील कर अवैध विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

गुड इवनिंग, खातेगांव

नगर परिषद खातेगांव के द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रयास किये जा रहे हैं इसी क्रम में शासन के निदेर्शानुसार आज ₹विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून एवं अमृत 2.0 मिशन अंतर्गत अमित मित्र पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक पंडित आशीष शर्मा के नेतृत्व में वृहद पैमाने पर तालाब के किनारे पौधारोपण किया गया, इस इस अवसर पर उपस्थित निकाय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदगण, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, अंत्योदय समिति, वरिष्ठ नागरिक जन, स्व सहायता समूह की महिलाओं एवं निकाय अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक पंडित श्री आशीष जी शर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है यह हम सभी का कर्तव्य है कि हम अपने पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त एवं शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में मिलजुल कर प्रयास करें और प्रत्येक नागरिक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भागीदार बने, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र चौधरी ने कहा कि पर्यावरण प्रकृति पेड़ की रक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है वृक्ष धरती के आभूषण है।

आयोजन मे नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सारिका नरेंद्र चौधरी, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि दीनदयाल रावड़िया, भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित गुर्जर मुख्य नगर पालिका अधिकारी निखिलेश चिंतामन, पार्षदगण गोविंद गोरा, अजय बिश्नोई, राजेश परते, पार्षद प्रतिनिधि रामसिंह यादव, ललित बिश्नोई, कमल कासलीवाल, नितिन बिश्नोई, , बीजेपी नगर अध्यक्ष सतीश मित्तल, अंतोदय समिति अध्यक्ष शेखर अग्रवाल, वीरेंद्र राजावत, बलराम थोरी, उमेश गुर्जर, धीरज जोशी, अशोक यादव, मनोज यादव, शिवा यादव, राहुल सांखला, मोनू दीक्षित निखिल उपाध्याय विशाल वर्मा दीपक माहेश्वरी अंशु शर्मा आनंद करपे, निकाय कर्मचारी एवं वरेण्यम समाज कल्याण समिति सदस्य उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया जूनियर टेनिस खिताब खरगोन के ऋग्वेद ने जीता

गुड इवनिंग, खरगोन

इन्दौर में आयोजित आल इंडिया जुनियर टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें डी आर पी लाइन स्थित पारस टेनिस एकेडमी के खिलाड़ी ऋग्वेद मालसे ने इस स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाड़ी को 6-2, 6-2 से हरा कर ऑल इंडिया जूनियर टेनिस कप पर कब्जा किया।

एकेडमी के अंतर्राष्ट्रीय कोच पारस कदम ने बताया कि ऋग्वेद मालसे विगत तीन वर्षों से एकेडमी में निरंतर कड़ी मेहनत कर रहा है। ऋग्वेद ने अंडर- 12 आयु वर्ग में यह कारनामा कर दिखा है । इसके पूर्व वह मध्यप्रदेश स्टेट रैंकिंग टेनिस प्रतियोगिता में सेमीफाइनल तक पहुंच चुके है और मध्यप्रदेश के 3 सीड खिलाड़ी रहे है। डी आर पी लाइन स्थित मैदान पर आज उसकी इस उपलब्धि पर आर आई सिद्दार्थ कुशवाह, जिला खेल अधिकारी पवि दुबे, समाज सेवी कल्याण अग्रवाल,टेजेन्द सैनी, प्रकाश सोनी, मोनू गाँगले, ऋग्वेद मालसे के मम्मी-पापा, और उपस्थित पूर्व टेनिस खिलाड़ी,खिलाड़ियों के अभिभावकों ने उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया। एकेडमी के खिलाड़ियो ने पटाखे एवं डोल तासे से चेम्पियन का स्वागत किया। कार्यक्रम संचालन एवं आभार जीतेन्द्र हिरवे ने माना।

श्रद्धा के साथ मनाया गया गायत्री जंयती पर्व

गुड इवनिंग, धार

गायत्री शक्तिपीठ पर गायत्री जंयती (गंगा दशहरा) का पर्व गुरुवार को श्रृद्धा, भक्ति और हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर और गंगा दशहरा पर धार गायत्री शक्तिपीठ पर शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा भी की गई। यह जानकारी देते हुए गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने बताया कि शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा झाबुआ से आए आचार्य झाबुआ गायत्री शक्ति पीठ के प्रमुख घनश्याम दास बैरागी और श्रीकृष्ण शर्मा द्वारा विधि विधान पूर्वक सम्पन्न करवाई गई। शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा समारोह पश्चात पंचकुंडीय गायत्री यज्ञ का क्रम प्रारंभ हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा गायत्री महामंत्र और महामृत्युंजय मंत्र से यज्ञ में आहुतियां दी गई। यज्ञ कार्य प्रज्ञा बैरागी द्वारा संपन्न करवाया गया। यज्ञ पूणार्हूति पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में गायत्री परिजनों ने सहभागिता की।

खातेगांव थाना प्रभारी विक्रांत झांझोट एवं आरक्षक आनंद जाट को उत्कृष्ट कार्य करने पर किया पुरस्कृत

गुड इवनिंग, खातेगांव

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद द्वारा सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम में अपराध समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) हरनारायण बाथम,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सौम्या जैन,समस्त एसडीओपी,समस्त थाना/चौकी के प्रभारी एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय की शाखाओं के प्रभारी मौजूद रहे। कुल 25 पैरामीटरो की समीक्षा की गई । मई माह में प्रदर्शन के आधार पर थानों की रैंकिंग की गई । मई में सर्वश्रेष्ठ पुलिसकर्मी पुरस्कार के रुप में थाना प्रभारी खातेगांव श्री विक्रांत झांझोट एवं आरक्षक 570 आनंद जाट थाना खातेगांव के द्वारा थाना खातेगांव क्षेत्र अंतर्गत मालवीय बस से बकतरा के व्यापारी का स्वर्ण आभूषण एवं

नगदी का बैग जिसमें 236 ग्राम सोना एवं 3,40,000 रुपये नगदी थे अज्ञात आरोपी द्वारा चोरी कर लिया गया ।

200 कि.मी.के रुट के सभी कैमरों का अवलोकन कर एवं मुखबिर तंत्र के माध्यम से अज्ञात चोंरो को गिरफ्तार कर संपूर्ण मश्रुका कीमती 27,50,000 का बरामद करने मे सफलता प्राप्त की गई । उक्त कार्य में थाना प्रभारी खातेगांव श्री विक्रांत झांझोट एवं आरक्षक 570 आनंद जाट की सराहनीय भूमिका रही जिन्होंने मुखबिर तंत्र के माध्यम से उक्त अज्ञात चोंरो की पहचान स्थापित कर उन्हें गिरफ्तार कराने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया । उत्कृष्ट कार्य हेतु थाना प्रभारी खातेगांव विक्रांत झांझोट एवं आरक्षक 570 (एसएएफ) आनंद जाट को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु जिला पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत ने प्रशंसा पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। रैंकिंग की यह प्रणाली आगामी माह में भी जारी रहेगी। अंत में पुलिस अधीक्षक द्वारा अच्छा कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों की प्रशंसा की गई एवं कार्य को इसी प्रकार और अधिक गुणवत्ता के साथ एवं समयावधि में करने हेतु प्रेरित कर अपराध समीक्षा बैठक का समापन किया।

आत्मा के मिलन का प्रतीक है शादी...

नीना जैन
लाइफ कोच
न्यू जर्सी
अमेरिका

कभी सात फेरों में लिए गए वचन जीवन की सबसे बड़ी सौगंध माने जाते थे। एक वक़्त था जब शादी को सिर्फ. सामाजिक संस्था नहीं, आत्मा के मिलन का प्रतीक कहा जाता था। लेकिन, अब जैसे इन वचनों का मूल्य मिट्टी में मिलता जा रहा है। अब शादी रिश्तों का सम्मान नहीं, अवसर बनती जा रही है और जब वह अवसर पूरा हो जाए तो सामने वाला इंसान बस एक बाधा रह जाता है। यही हुआ राजा रघुवंशी के साथ। एक नवविवाहित दूल्हा, जो सपनों से भरा हुआ अपनी पत्नी के साथ हनीमून पर गया और लौट कर आया एक लाश बनकर।

राजा की हत्या उसी की पत्नी सोनम ने कराई शिलांग की वादियों में, जहां लोग प्रेम की कविताएं लिखते हैं। वहां उसने खून की साजिश रच दी। प्रेमी के साथ मिलकर पति को रास्ते से हटाना, वो भी उसी हनीमून ट्रिप में, जहां नए जीवन की शुरूआत होनी थी। यह सिर्फ एक हत्या नहीं, विश्वास के नाम पर गद्दारी थी। इस घटना ने साबित कर दिया कि अब रिश्तों में प्रेम कम, स्वार्थ अधिक है। अब विवाह वचन नहीं, विकल्प बन गया है। जब मन नहीं भरा तो दूसरा रास्ता पकड़ लिया, और जो आड़े आया, उसे मिटा दिया।

समाज किस दिशा में जा रहा है? कभी पति की लाश को ड्रम में भर दिया जाता है तो कभी प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दी जाती है। अपराध अब गुस्से या पागलपन की उपज नहीं रहे, वे अब सोची-समझी योजना है और सबसे दुखद बात ये

है कि वे अपनों के ही हाथों हो रहे हैं। हम धीरे-धीरे एक ऐसे युग में दाखिल हो रहे हैं, जहां भावनाओं की कोई कीमत नहीं बची, जहां संबंध सिर्फ एक औपचारिकता हैं और इंसानियत? वह तो इस खेल में सबसे पहले मर चुकी होती है।

रिश्ते अब दिल से नहीं, दिमाग से चलने लगे हैं। जहां लाभ दिखा, वहां रिश्ता निभाया गया; जहां नुकसान दिखा, वहां उसे खत्म कर दिया गया। चाहे किसी की जान ही क्यों न चली जाए। नैतिकता अब किताबों में रह गई है, और समाज अब स्याह साजिशों से चल रहा है।

ये एक घटना नहीं, आईना हैं हम सबके लिए। जो यह पूछता है कि क्या हम सच में समाज कहलाने लायक बचे हैं? अगर हां तो क्यों रोज कोई राजा रघुवंशी अपने ही रिश्ते की कब्रगाह बन जाता है?

क्यों आज प्यार का मतलब पार्टनर बदलना और शादी का मतलब समझौता बनकर रह गया है? और सबसे बड़ा सवाल अगर यही चलता रहा तो अगली हत्या किसकी होगी?

मन कहता है बच्चा बन जाऊं फिर से मां की गोद में सो जाऊं..

जीवन में
मौज मस्ती इतनी दुर्लभ क्यों है
जैसे जैसे
उम्र बढ़ रही
अपने में गुमसुम हो रहा जीवन
मानो उम्र कह रही हो
अब तो सुधर जाओ
अब बच्चे नहीं हो
उम्र के कच्चे नहीं हो
बच्चों सी हरकतें करते
अच्छे नहीं लगते
क्या दिख नहीं रहे पके बाल
अब हंस सी नहीं रही चाल
लेकिन क्या करें.?
मन कहता है बच्चा बन जाऊं
बारिश में कागज की नाव बहाऊं
घर में कितना आराम करूं
क्यों न स्कूल में भर्ती हो जाऊं
मास्टरजी जब छड़ी लेकर मारने आएं
दौड़ूं और पेड़ पर चढ़ जाऊं
पता नहीं स्कूल के अहाते में
अब वो नीम का पेड़ होगा या नहीं
मास्टरजी के हाथ में
छड़ी होगी या नहीं
हम भी बच्चे नहीं रहे
और स्कूल भी वैसे नहीं रहे
क्या अब लौट नहीं पाएंगे वो दिन.?

– संजय श्रीवास्तव, कटनी (मप्र)

अंकसूची से परे, बच्चों की सच्ची योग्यता

राजकुमार जैन
स्वतंत्र विचारक

हमारे समाज में यह धारणा गहरी जड़ें जमा चुकी है कि शैक्षणिक उपलब्धियां ही जीवन में समृद्धि की एकमात्र कुंजी हैं, परंतु क्या यह वास्तव में सत्य है, क्या हमारे बच्चों का भविष्य केवल उनकी अंकसूची तक ही सीमित है। संख्याओं के प्रति आकर्षित इस विश्व में, हम प्रायः यह भूल जाते हैं कि हर बच्चा अपने आप में एक अनमोल रत्न है, जिसकी योग्यताएँ कई रूपों में प्रकट हो सकती हैं।

बच्चों की विविध प्रतिभाएं : एक अनदेखा सच

हर बच्चा एक अद्वितीय व्यक्तित्व है, और उनकी प्रतिभाएँ उस बगीचे के फूलों की भाँति विविध हैं, जहां प्रत्येक पुष्प अपनी सुगंध और सौंदर्य से अलग पहचान रखता है। कुछ बच्चे कला में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, कुछ संगीत के स्वरों में जीवन रचते हैं, कुछ खेल के मैदान में चमकते हैं तो कुछ विज्ञान की गहराइयों में खो जाते हैं। क्या हम अपने बच्चों को केवल उनके अंकों के आधार पर आंकते हैं।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि अनेक महान व्यक्तित्वों ने शैक्षणिक क्षेत्र में औसत प्रदर्शन किया, किंतु अपने चुने हुए मार्ग पर असाधारण सफलता अर्जित की। अल्बर्ट आइंस्टीन, जिन्हें बचपन में धीमा सीखने वाला समझा गया, और स्टीव जॉब्स, जिन्होंने कॉलेज की राह छोड़ दी, इसके जीवंत उदाहरण हैं। थॉमस एडिसन, जिन्हें उनके शिक्षकों ने कुछ भी सीखने में असमर्थ करार दिया और विंस्टन चर्चिल, जो छठी कक्षा में असफल रहे, ने भी अपने जीवन में चमत्कार रचे। यह स्पष्ट है कि शैक्षणिक प्रदर्शन किसी बच्चे की संपूर्ण क्षमता का

मापदंड नहीं हो सकता।

शिक्षा प्रणाली : रचनात्मकता की उपेक्षा

हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली प्रायः स्मरण शक्ति पर अधिक बल देती है और रचनात्मकता तथा आलोचनात्मक चिंतन को दरकिनार कर देती है। यह एक गंभीर विडंबना है, जिस पर तत्काल चिंतन की आवश्यकता है। प्रसिद्ध शिक्षाविद् सर केन रॉबिन्सन ने ठीक ही कहा है, शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को उनकी रचनात्मकता को खोजने और विकसित करने में सहायता करना होना चाहिए, न कि उन्हें एक पूर्वनिर्धारित ढांचे में बांधना। फिनलैंड जैसे देश इस दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, जहां शिक्षा प्रणाली तनाव को न्यूनतम रखने और रचनात्मकता को पोषित करने के लिए संरचित की गई है। वहां बच्चों को उनकी रुचियों के अनुरूप विषय चुनने की स्वतंत्रता है और परीक्षाओं का बोझ उन पर कम थोपा जाता है। क्या हम भी अपने बच्चों के लिए ऐसा भविष्य नहीं रच सकते।

माता-पिता की भूमिका : प्रेरणा या दबाव

माता-पिता के रूप में, हमारा दायित्व केवल यह सुनिश्चित करना नहीं है कि हमारे बच्चे परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करें, अपितु उनकी प्रतिभाओं और जुनून को पहचान कर उन्हें पंख देना है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमारे बच्चे उनके अंकों से परे हैं। माता-पिता कई तरह से अपने बच्चों का समर्थन कर सकते हैं: उनकी रुचियों को पहचानें और उनमें प्रगति के लिए प्रेरित करें; उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि असफलता कोई अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है; और उनके साथ खुला संवाद स्थापित करें ताकि उनकी भावनाएं अभिव्यक्त हो सकें। यदि आपका बच्चा कम अंक लाता है तो उसे यह आश्वासन दें कि आपका प्रेम और सम्मान उसके अंकों से नहीं, उसके व्यक्तित्व से निर्धारित होता है।

दबाव का बोझ : एक चिंताजनक यथार्थ

आज के प्रतिस्पर्धी युग में बच्चे अभूतपूर्व दबाव का सामना कर रहे हैं। परीक्षाओं का तनाव, सहपाठियों से तुलना, और माता-पिता की अपेक्षाएं उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, भारत में दस में से छह बच्चे परीक्षाओं के कारण तनावग्रस्त हैं। यह आंकड़ा हमें सोचने पर मजबूर करता है। हमें अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक पाठ है जो उन्हें मजबूत बनाता है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता : सफलता की असली कुंजी

शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ, भावनात्मक बुद्धिमत्ता भी जीवन में सफलता का आधार है। यह वह शक्ति है जो हमें दूसरों के साथ संवाद करने, सहानुभूति दिखाने, और तनाव को संभालने में सक्षम बनाती है। अक्सर यह शैक्षणिक बुद्धिमत्ता से कहीं अधिक मूल्यवान सिद्ध होती है। इसलिए, हमें अपने बच्चों को भावनात्मक रूप से सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि वे न केवल परीक्षाओं में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में विजयी हों।

जीवन मूल्य और मानवता : सबसे बड़ा पाठ

अंततः जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, वह यह नहीं कि हमारे बच्चे कितने अंक लाते हैं, बल्कि यह कि वे किस प्रकार के व्यक्ति बनते हैं। हमें उन्हें दयालु, सहानुभूतिपूर्ण, और जिम्मेदार नागरिक बनने की शिक्षा देनी चाहिए। उन्हें यह समझाना होगा कि सच्ची सफलता धन या प्रसिद्धि में नहीं, बल्कि एक सार्थक और संतुष्ट जीवन जीने में निहित है। इस दुनिया को केवल डॉक्टरों और इंजीनियरों की नहीं, बल्कि कलाकारों, संगीतकारों, एथलीटों, और सबसे बढ़कर, अच्छे इंसानों की आवश्यकता है।

एक नया दृष्टिकोण

इसलिए, आइए हम यह संकल्प लें कि अंकसूची के आधार पर हमारे बच्चों की क्षमताओं का आकलन नहीं किया जाएगा, यह तो उनकी बहुआयामी प्रतिभा का एक छोटा सा पहलू मात्र है। हमें उन्हें उनके समग्र व्यक्तित्व के लिए प्रेम और सम्मान देना चाहिए, न कि केवल उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए। उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे जीवन में महान कार्य करने के लिए सृजित हुए हैं और उनकी सच्ची योग्यता उनके अंकों से कहीं अधिक है। क्या हम अपने बच्चों को वह स्वतंत्रता और प्रोत्साहन नहीं दे सकते, जिसके वे वास्तव में हकदार हैं।

रिश्तों में श्वास...

सीमा शर्मा 'तमन्ना',
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

जिस प्रकार हमारे जीवन जीने हेतु श्वास लेना जरूरी होता है क्योंकि, बिना इसके हमारा एक पल भी जीवित रह पाना शायद संभव ही न हो पाए और श्वास लेने के लिए उचित, स्वच्छ एवं शुद्ध वायु की आवश्यकता होती है। उसी प्रकार जीवन में रिश्तों का भी उतना ही महत्व है। रिश्तों को जीवित रखने के लिए उपरोक्त जिन सांसों की बात कही गई है वह है विश्वास। यदि रिश्तों के जीवन में यह श्वास रूपी विश्वास जरा सा भी डगमगा जाए यानी रिश्ते उचित रूप से साफ स्वच्छ ऑक्सीजन के स्थान पर शक और झूठ अवसाद, कुंठा की अशुद्ध वायु मिलने लगे तो इन रिश्तों की श्वासें घटने लगती हैं।

यदि इन्हें समय रहते स्वच्छ वातावरण, स्वच्छ हवा नहीं दी गई तो इनका दम घुटने लगता है और अंततः कोई भी औषधि इन पर काम करना बंद कर देती है और एक दिन हारकर वे दम तोड़ देते हैं। इसलिए कोशिश कीजिए कि आपके जीवन की श्वास और रिश्तो के श्वास रूपी यह विश्वास की डोर कभी भी ना टूटे।

माना कि आज हवा जहरीली चल रही है, मगर मास्क लगाकर भी तो हम स्वयं को बचाते ही हैं। ठीक उसी प्रकार यदि हम अपने रिश्ते को भी तो बचा कर रख सकते हैं । क्योंकि खुद का और अपने अमूल्य रिश्तों को बचाकर रखने की कर्तव्य किसी और का नहीं, हमारा स्वयं का ही है। दुनिया या सामने वाले को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना या दोष देना छोड़ दे।

स्वयं सकारात्मक भाव रखें और दूसरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनें। यही सच्चे और अनमोल रिश्तों की सार्थकता का परिमाण है।

बिजनेस

गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों के शेयर चढ़े

मुथूट फाइनेंस के शेयर में 7% की तेजी; फ्रेक के गोल्ड लोन नियमों में बदलाव का असर

एजेंसी, नई दिल्ली

गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों के शेयरों में सोमवार को 8 प्रश तक तेजी देखने को मिली। मणप्पुरम फाइनेंस के शेयर में 7 प्रश तक की तेजी रही। ये 17 रुपए चढ़कर 265 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। वहीं आईआईएफएल फाइनेंस का शेयर 35 रुपए की बढ़ोतरी के साथ 487 रुपए पर बंद हुआ।

मुथूट फाइनेंस का शेयर में 4 प्रश की तेजी के साथ 2,543 रुपए पर बंद हुआ। शेयरों में इस तेजी का कारण भारतीय रिजर्व बैंक के गोल्ड लोन के नियमों में बदलाव को माना जा रहा है। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को 2.5 लाख रुपए तक के गोल्ड लोन पर लोन-टू-वैल्यू रेश्यो 75 प्रश से बढ़ाकर 85 प्रश कर दिया था।

वित्त मंत्रालय ने बैंक को सुझाव दिया था

इस पहले वित्त मंत्रालय ने सुझाव दिया था कि 2 लाख रुपए तक के गोल्ड लोन को सख्त नियमों से छूट दी जाए, ताकि छोटे कर्जदारों को जल्दी लोन मिल सके। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, नए नियमों से गोल्ड लोन सेक्टर में पारदर्शिता और लचीलापन आएगा। फाइनल गाइडलाइंस सोमवार तक जारी हो जाएंगी।

यानी अब 1 लाख रुपए की गोल्ड वैल्यू पर 85,000 रुपए तक लोन मिल सकेगा, पहले यह सीमा 75,000 रुपए थी। 2.5 लाख रुपए तक के छोटे गोल्ड लोन पर क्रेडिट अप्रेजल की जरूरत नहीं होगी, यानी कागजी कार्रवाई कम होगी और लोन जल्दी मिलेगा।

इससे छोटे कर्जदार खासकर ग्रामीण और छोटे शहर वाले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए के लिए लोन लेना और आसान हो जाएगा। वहीं 2.5 से 5 लाख रुपए तक के गोल्ड लोन पर ये छळश 80 प्रश रहेगी। 5 लाख रुपए से ज्यादा के लोन पर छळश को 75 प्रश रखा गया है। 2.5 लाख रुपए से ज्यादा के लोन पर क्रेडिट अप्रेजल लेना होगा।

गोल्ड लोन लेने से पहले ध्यान रखें कुछ बातें-गोल्ड लोन लेने से पहले कई पहलुओं पर गौर करना जरूरी है। इनमें ब्याज दर, लोन-टू-वैल्यू रेशियो, प्रोसेसिंग फीस और कर्ज चुकाने की शर्त शामिल हैं। इन सबसे बढ़कर आपके द्वारा गिरवी रखे गए सोने की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में आपको प्रतिष्ठित लेंडर (यानी गोल्ड लोन देने वाली फर्म) को चुनना चाहिए, जिनके पास सुरक्षित स्टोरेज या लॉकर फैसिलिटी या फिर इंश्योर्ड वॉल्ट हो।

गौतम अडाणी को 2024-25 में 10.41 करोड़ रु. सैलरी मिली

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन 5.75 लाख करोड़ के मालिक

एजेंसी, मुंबई

भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडाणी को वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 10.41 करोड़ रुपए सैलरी मिली है। अडाणी को ये सैलरी समूह की 10 लिस्टेड कंपनियों में से सिर्फ दो कंपनियों से मिली। ये कंपनियां अडाणी एंटरप्राइजेज और अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन हैं।

अडाणी एंटरप्राइजेज से उन्हें 2.26 करोड़ रुपए सैलरी और 28 लाख रुपए भत्तों के रूप में मिले, यानी कुल 2.54 करोड़ रुपए। वहीं अडाणी पोर्ट्स से 1.8 करोड़ रुपए सैलरी और 6.07 करोड़ रुपए कमीशन मिला। जो टोटल 7.87 करोड़ रुपए हुआ। वित्त वर्ष 2023-24 में गौतम अडाणी को 9.26 करोड़ रुपए सैलरी के रूप में मिले थे, यानी इस बार उनकी सैलरी में लगभग 12 प्रश की बढ़ोतरी हुई है।

दुनिया के 24वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं गौतम अडाणी अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी की नेटवर्थ 5.75 लाख करोड़ रुपए है, वह दुनिया के 24वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। वहीं रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी भारत के सबसे अमीर और दुनिया के 16वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में इलॉन मस्क 33.78 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ टॉप पर हैं।

मुकेश अंबानी नहीं लेते सैलरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बीते 4 सालों से कंपनी से कोई सैलरी नहीं ली है। उन्होंने कोरोना महामारी (वित्त वर्ष 2020-21) के समय से सैलरी लेना बंद कर दी थी।

जगदीप सिंह दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले एम्पलाई भारतीय मूल के जगदीप सिंह दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले एम्पलाई हैं। मनी कंट्रोल के अनुसार क्वांटमस्केप के पूर्व फाउंडर और उएड जगदीप को 17,500 करोड़ रुपए (लगभग 2.3 बिलियन डॉलर) का सालाना पैकेज मिला है, जो हर दिन के हिसाब से करीब 48 करोड़ रुपए (लगभग 5.8 मिलियन डॉलर) है।

इंग्लैंड में बड़ी उपलब्धि अपने मान करेंगे बुमराह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम 20 जून से शुरू होने वाले इंग्लैंड दौरे के साथ 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरूआत करेगी। यह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज शुभमन गिल की नई कप्तानी में एक नए युग की शुरूआत होगी। स्टार विकेटकीपर- बल्लेबाज ऋषभ पंत को उप कप्तान नियुक्त किया गया है। हालांकि नई नेतृत्व जोड़ी सुर्खियों में रहेगी, लेकिन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर भी सभी की नजरें होंगी, जो इस दौरे पर एक अनोखा व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाने की कगार पर हैं। विदेशी परिस्थितियों में भारत के सबसे प्रभावशाली तेज गेंदबाज माने जाने वाले बुमराह, एशियाई गेंदबाजों में सेना (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों में सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने के मामले में वसीम अकरम के रिकॉर्ड की बराबरी करने से सिर्फ एक विकेट दूर हैं।

वसीम अकरम ने 32 टेस्ट में 146 विकेट लिए थे, जबकि बुमराह ने 31 टेस्ट में 145 विकेट झटके हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह 150 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले एशियाई गेंदबाज बनने से मात्र पांच विकेट दूर हैं। बुमराह को इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंतिम टेस्ट के दौरान पीठ की चोट का सामना करना पड़ा था। उस सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बावजूद, जिसमें भारत 2-1 से हारा, बुमराह का वर्कलोड अब नजदीकी निगरानी में है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने संकेत दिए हैं कि बुमराह शायद पांच में से केवल तीन टेस्ट में ही खेलेंगे।

बुमराह ने सर्जरी से पहले बढ़ाया था हौंसला - कैमरून : कैमरून ग्रीन की पीठ की सर्जरी की पूर्व संध्या पर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक विशेष संदेश ने ऑस्ट्रेलिया के इस हरफनमौला को सर्जरी करवाने के उनके फैसले को लेकर आश्वस्त कर दिया। ग्रीन को पिछले साल स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ था। यह चोट हालांकि 9 से 12 महीनों में स्वाभाविक रूप से ठीक हो सकती थी, लेकिन उन्होंने अक्टूबर में सर्जरी करवाने का फैसला किया।

ग्रीन ने कहा, जसप्रीत बुमराह ने सर्जरी करवाने से एक रात पहले मुझसे संपर्क किया था। वह उस समय भारतीय टीम के लिए एक टेस्ट मैच खेल रहे थे। ऐसी कुछ चीजें वाकई बहुत खास होती हैं और आपको इससे बहुत अच्छा महसूस होता है। उनके जैसे किसी व्यक्ति का साथ मिलना और फिर उन्हें ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन करते देख कर मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है।

ग्रीन 2023 आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। उस समय बुमराह सर्जरी से उबरने के लिए टीम से बाहर थे। वह इस सर्जरी के कारण 2022 टी20 विश्व कप खेलने से भी चूक गए थे। उन्होंने हालांकि सर्जरी के बाद शानदार वापसी की और भारत को 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के बाद पिछले साल टी20 विश्व कप चैंपियन बनाने में अहम योगदान दिया। बुमराह इसके बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पांच मैचों में 32 विकेट लेकर श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। 26 साल के ग्रीन को जेसन बेहरेनडॉर्फ इसी तरह की सर्जरी से गुजरने वाले अन्य गेंदबाजों से भी उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

ग्रीन ने कहा, ऑपरेशन का मुख्य कारण हड्डी के कुछ अतिरिक्त भाग को अलग करना था। जाहिर है कि मेरे एल4 में थोड़ी परेशानी थी और रीढ़ के उस हिस्से पर अतिरिक्त हड्डी विकसित हो गई थी। उन्होंने कहा, मुझे इस हड्डी के कारण झुकने में भी परेशानी हो रही थी। इस अतिरिक्त हड्डी का दूसरी हड्डियों पर दबाव पड़ा जिससे वहां भी समस्या हो गई। यह पीठ की चोट के मामले में बेहद दुर्लभ है।

ग्रीन के इस सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेलने की उम्मीद है। वह ग्लूस्टरशायर के लिए पांच काउंटी क्रिकेट मैचों में तीन शतकों के दम पर टेस्ट टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा, पीठ की चोट का एक सकारात्मक पहलू यह है कि मुझे बल्लेबाज बनने के लिए केवल चार मौके मिले हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मेरा खेल उस समय (टीम में बतौर बल्लेबाज शामिल होगा) और अच्छा रहता है। मैं हमेशा गेंदबाजी करता रहूंगा, लेकिन ऐसी स्थिति में आपको अपने खेल के सिर्फ एक पहलू पर पूरा ध्यान लगाना होता है। उन्होंने कहा, जब आप गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों कर रहे होते हैं, तो आपको खुद को फिट और खेलने के लिए तैयार रखने के लिए गेंदबाजी के लिहाज से बहुत कुछ करना पड़ता है। इससे बल्लेबाजी थोड़ी प्रभावित होती है। ऐसे में सिर्फ बल्लेबाजी करना निश्चित रूप से अच्छा है।

पुर्तगाल बना नेशंस लीग चैंपियन, स्पेन को पेनाल्टी शूटआउट में हराया

म्यूनिख, एजेंसी

पुर्तगाल ने नेशंस लीग के रोमांचक फाइनल मुकाबले के 2-2 से बराबर रहने के बाद पेनाल्टी शूटआउट में स्पेन को 5-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पुर्तगाल ने दो बार पिछड़ने के बाद मैच के वापसी करते हुए स्कोर को 2-2 से बराबर किया जिसके बाद यह मुकाबला अतिरिक्त समय में खिंच गया। अतिरिक्त समय में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं।

पेनाल्टी शूट में शुरूआती तीन गोल के बाद दोनों टीमें बराबरी पर थीं लेकिन पुर्तगाल के गोलकीपर डिएगो कोस्टा ने स्पेन के लिए अल्वारो मोराटा की चौथी पेनाल्टी बचाई, फिर रुबेन नेवेस ने अपनी टीम की पांचवीं पेनाल्टी को गोल में बदलकर जीत सुनिश्चित कर दी। मोराटा एकमात्र खिलाड़ी था स्पॉट किक से गोल करने से चूक गए। अपने प्रयास के विफल होने के बाद वह भावनाओं पर काबू नहीं रख सके और उनकी आंखें नम हो गईं।

रोनाल्डो ने नियमित समय के 61वें मिनट में अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए करियर का 138वां अंतरराष्ट्रीय गोल कर-के पुर्तगाल को मुकाबले में बराबरी दिलाई। इससे पहले माइकल ओयारजाबल ने स्पेन को मध्यांतर से पहले तक बढ़त दिला दी थी। ओयारजाबल ने 45वें मिनट में पेड्री के बनाए मौके पर गोलकीपर कोस्टा को छकाते हुए स्पेन को मैच में दूसरी बार बढ़त दिलाई थी। यूरोपीय चैंपियन स्पेन के आक्रमण में वह सामंजस्य और प्रवाह नहीं दिखा जो उसने गुरुवार को फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में 5-4 की जीत में दिखाया था। मैच के 21 में मिनट में टीम को किस्मत का साथ मिला जब युवा लामिने यामल के क्रॉस से निपटने में पुर्तगाल की रक्षापंक्ति नाकाम रही और मार्टिन ज़ुबिमेंडी ने उसे गोल में बदल दिया। इसके पांच मिनट के बाद ही हालांकि नूनो मेंडेस ने गोल कर स्कोर को बराबर कर दिया। मेंडिस को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इस 22 साल के खिलाड़ी ने टीम के लिए पहला गोल करने के बाद रोनाल्डो के गोल में सहायक की भूमिका निभाई और पूरे मैच के दौरान यामल पर नियंत्रण बनाए रखने में अहम योगदान दिया। उन्होंने पेनाल्टी शूटआउट में आत्मविश्वास के साथ अपने मौके को गोल में बदला। इससे पहले कप्तान काइलियान एमबाप्पे के शानदार खेल के दम पर फ्रांस ने तीसरे स्थान के मैच में जर्मनी को 2-0 से हराया। रीयाल मैड्रिड के स्ट्राइकर एमबाप्पे ने अपने करियर का 50वां अंतरराष्ट्रीय गोल करने के साथ दूसरे गोल में सहायक की भूमिका अदा की जिससे फ्रांस ने जर्मनी को उसके घरेलू मैदान पर शिकस्त दी। मैच के शुरूआती हॉफ में दबदबा बनाने के बावजूद जर्मनी की टीम गोल करने में विफल रही। ऑरेलियन चोउमेनी ने मध्यांतर से ठीक पहले क्लब टीम के साथी एमबाप्पे के लिए मौका बनाया जिसे इस दिग्गज खिलाड़ी ने गोल में बदल दिया।

मैगनस कार्लसन ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता नॉर्वे शतरंज का खिताब

स्टावेंगर (नॉर्वे), एजेंसी

साल के सबसे मजबूत सुपर ग्रांड मास्टर टूनार्मेंट नॉर्वे शतरंज का अंत बेहद नाटकीय अंदाज में हुआ जहां खिताब के दोनों प्रमुख दावेदार विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन और डी विश्व चैम्पियन डी गुकेश को हार का सामना करना पड़ा और ऐसे में कार्लसन विजेता बनने में कामयाब रहे।

भारत के नंबर एक और दुनिया के नंबर 3 खिलाड़ी अर्जुन एरीगैसी सफेद मोहरों से मैगनस का सामना कर रहे थे। पिछली बार वह कार्लसन से पांचवें राउंड में पराजित हो गए थे। इस बार सफेद मोहरों से खेलते हुए पहले तो उन्होंने कार्लसन को क्लासिकल में ड्रॉ पर रोका और फिर उन्हे टाईब्रेक आर्मगोडेन में मात देते हुए जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया। इस हार के बाद भी कार्लसन को क्लासिकल का एक अंक मिला और वह 16 अंकों पर पहुंच गए। ऐसे में गुकेश के पास मौका था की वह कारुआना को हराए और विजेता बन जाएं। करूआना के खिलाफ गुकेश ने काले मोहरों से इटेलिअन ओपनिंग में थोड़ा हटकर रास्ता बनाने की कोशिश की और राजा को वजीर के हिस्से में किलेबंदी कर ले गए जबकि करूआना ने राजा के हिस्से में किलेबंदी करते हुए अपने राजा को रखा और गुकेश पर हमला करना शुरू कर दिया। उन्होंने अपना हाथी देकर गुकेश का एक ऊंट और घोडा ले लिया। इन सबके बावजूद गुकेश ने अपना एक प्यादा तेजी से वजीर बनाने के लिए आगे बढ़ा दिया और खेल की 48वीं चाल में जब गुकेश के पास सिर्फ 7 सेकंड बाकी थे वह बड़ी गलती कर बैठे।

ऋषभ पंत ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हुए

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम ने अभ्यास शुरू कर दिया है। भारतीय टीम ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और अन्य सपोर्ट स्टाफ की निगरानी में ट्रेनिंग की लेकिन इसी ट्रेनिंग के दौरान भारत को बड़ा झटका भी लगता हुआ नजर आया जब विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक चोटिल हो गए।

अभ्यास सत्र के दौरान पंत उस समय घायल हो गए जब एक गेंद बल्लेबाजी के दौरान उनके बाईं बांह में लग गई। गेंद लगने के बाद पंत दर्द में दिखाई दिए जिसके बाद टीम के डॉक्टर को बुलाना पड़ा और उन्होंने प्राथमिक उपचार करते हुए पंत के आइस पैक लगाया। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर कर दिया गया जहां उन्होंने आराम करते समय बिताया। हालांकि, भारतीय टीम भाग्यशाली थी क्योंकि चोट बहुत गंभीर नहीं थी और बल्लेबाज ने सभी को आश्वस्त किया कि वह ठीक हैं। पांच मैचों की सीरीज 20 जून को लीड्स में शुरू होगी। दूसरा टेस्ट बर्मिंघम में होगा जिसके बाद लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 10 जुलाई से तीसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। ओल्ड ट्रैफर्ड और केनिंग्टन ओवल क्रमशः सीरीज के चौथे और पांचवें टेस्ट की मेजबानी करेंगे। रोहित शर्मा के टेस्ट संन्यास के बाद गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज और नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में खेला है।

संपादकीय

कुशलता बढ़ाइए...

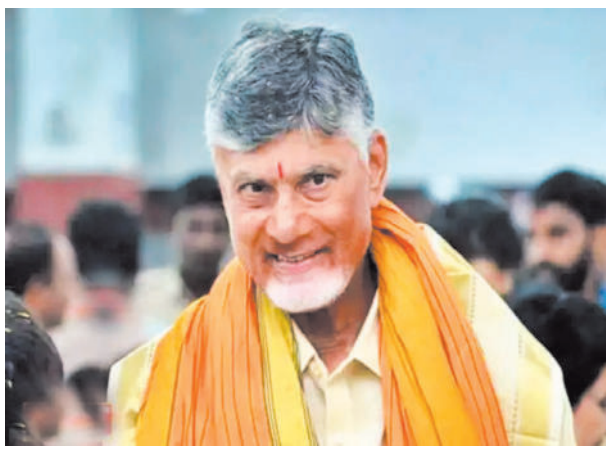

आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू अपने राज्य में जन्मदर बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने फाइनैंशल इन्सेंटिव्स देने की योजना बनाई है। चंद्रबाबू के इस फैसले के पीछे सामाजिक से ज्यादा राजनीतिक कारण हैं। हालांकि आबादी के मामले में चीजें इस तरह से काम नहीं करती हैं।

विरोधी विचार: नायडू का कहना है कि परिवार जितना बड़ा होगा, उसे उतना ही ज्यादा आर्थिक अनुदान मिलेगा। इससे पहले वह महिलाओं के लिए कितनी भी बार मैटर्निटी लीव और वर्कप्लेस पर बच्चों के लिए सेंटर जैसे नियम बना चुके हैं। विडंबना है कि इसी आंध्र प्रदेश में ऐसे लोगों को निकाय चुनावों में खड़े होने से रोकने के लिए नियमों में बदलाव किया गया था, जिनके दो से ज्यादा बच्चे हैं।

सीटों की चिंता: आंध्र की पॉलिसी में यह बदलाव आया कैसे? इसका जवाब बहुत कुछ संख्या बल की राजनीति में है। आंध्र समेत दक्षिण के सभी राज्यों में यह चिंता है कि कम आबादी की वजह से उनकी राजनीतिक हैसियत में कमी आई है। परिसीमन पर दक्षिण का विरोध इसी वजह से है कि उत्तर के राज्यों की तुलना में उनके यहां लोकसभा की सीटें कम बढ़ सकती हैं और इससे देश की सियासत में वह कमजोर पड़ जाएगा। चंद्रबाबू इसी के चलते दक्षिणी राज्यों से अपनी जनसंख्या नीति पर पुनर्विचार करने की अपील कर रहे हैं।

चीन का उदाहरण: हालांकि जनसंख्या इस तरह स्टॉप-स्टार्ट मोड में काम नहीं करती और इसका सबसे बड़ा उदाहरण चीन है। पेइचिंग ने करीब चार दशकों तक वन चाइल्ड पॉलिसी का सख्ती से पालन किया। जब इसका असर उसकी वर्कफोर्स पर पड़ा, तो 2015 में उसने दो बच्चों और फिर तीन बच्चों तक की छूट दे दी, लेकिन इससे उसकी जन्मदर पर खास फर्क नहीं पड़ा। वजह है कि शिक्षा का स्तर बढ़ने के साथ ही लोगों का ध्यान क्वॉलिटी लाइफस्टाइल की तरफ गया है।

जन्म दर में गिरावट: दक्षिण का डर कि उसकी आबादी गिर रही है, तस्वीर को अधूरा देखना है। असल में पूरे देश में जन्म दर में गिरावट आई है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि देश में फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) 2.0 है यानी हर कपल औसतन दो बच्चे पैदा कर रहा है। सबसे कम, 1.4 टीएफआर दिल्ली और पश्चिम बंगाल का था। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल में फर्टिलिटी रेट 1.5, जबकि तेलंगाना और कर्नाटक में 1.6 दर्ज की गई थी।

असल लक्ष्य: शिक्षा के साथ आई जागरूकता के कारण पिछले दशक से आबादी में बढ़ोत्तरी नियंत्रण में आई है। भारत के सामने समस्या जनसंख्या घटने की नहीं, बल्कि यह है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को किस तरह स्किल्ड बनाया जाए ताकि वे भी विकास में साझीदार हों और उनके जीवन स्तर में सुधार आए।

रोहित शर्मा का विश्व कप 2027 का सपना खतरे में

नई दिल्ली, एजेंसी

रोहित शर्मा का 2027 विश्व कप खेलने का सपना शायद अधूरा रह जाए, क्योंकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) वनडे क्रिकेट में बदलाव की योजना बना रहा है। रोहित ने पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय और भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। 'हिटमैन' की नजरें दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 विश्व कप पर हैं, लेकिन उन्हें यह मौका शायद न मिले।

बीसीसीआई को उम्मीद थी कि रोहित टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद सभी प्रारूपों से रिटायर हो जाएंगे। हालांकिल्ल38 वर्षीय रोहित ने वनडे में जारी रहने का फैसला कर सबको चौंका दिया, जिसका लक्ष्य 2027 विश्व कप है। रोहित ने 2023 विश्व कप में भारतीय टीम को फाइनल तक पहुंचाया, लेकिन अंतिम बाधा पार नहीं कर सके। इसके बाद उन्होंने टी20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को जीत दिलाई।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूजीलैंड पर जीत के बाद रोहित ने कहा कि मैं इस प्रारूप से संन्यास नहीं ले रहा हूं। आगे कोई अफवाह न फैले, इसका ध्यान रखें। टेस्ट संन्यास की घोषणा के साथ सोशल मीडिया पर भी उन्होंने यही बात दोहराई। हालांकि, बीसीसीआई रोहित को वनडे में जारी रखने के पक्ष में नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, इस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई है, लेकिन मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर को नेतृत्व परिवर्तन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। एक बीसीसीआई अधिकारी ने कहा कि हममें से कई को लगा कि चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद रोहित वनडे से भी हट जाएंगे। उनके और चयनकताओं के बीच वनडे भविष्य पर कोई बात नहीं हुई है।

भारत को 2027 विश्व कप से पहले 27 वनडे खेलने हैं, जिससे दक्षिण अफ्रीका में होने वाले टूनार्मेंट के लिए उत्तराधिकारी चुनने और तैयार करने का पर्याप्त समय है। एमएस धोनी ने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी से पहले विराट कोहली को अपना उत्तराधिकारी चुना था। कोहली ने 2019 विश्व कप में धोनी के साथ बतौर खिलाड़ी कप्तानी की थी।

इंदौर। शहर में मेट्रो का संचालन पिछले कुछ दिन से शुरू हो चुका है। भारी संख्या में लोग इसमें सफर कर रहे हैं। गुडइवनिंग के पाठक ने मेट्रो सफर के दौरान शहर का सुंदर चित्र हमें भेजा है।

फोटो : गुड इवनिंग

महिला चिकित्सक पर परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

प्रसव के लिए भर्ती महिला को ओटी से बाहर निकाला

महिला चिकित्सक ने आरोपों को बताया साजिश, एसडीएम-तहसीलदार के निरीक्षण के दौरान हुआ हंगामा

गुड इवनिंग, महू

मध्यभारत अस्पताल में विवादों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को कुत्ते द्वारा नवजात को नोचने के बाद सोमवार को एक महिला चिकित्सक द्वारा प्रसव के लिए आई महिला को ऑपरेशन थिएटर से बाहर निकालने पर बखेड़ा खड़ा हो गया। महूगांव के सुपरसिटी रहने वाली कल्पना त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब सात बजे अपनी बेटी हर्षिता त्रिपाठी को प्रसव के लिए अस्पताल लेकर पहुंची थी। यहां पदस्थ कर्मचारी हर्षिता को प्रसव के लिए ऑपरेशन थिएटर में लेकर गए थे। कुछ समय बाद ही महिला चिकित्सक डॉ. रीना चुरिहार द्वारा हर्षिता को प्रसव के बिना ही ऑपरेशन थिएटर से बाहर निकाल दिया। डॉ. चुरिहार ने दूसरी महिला को ओटी में लेकर ऑपरेशन किया जाने लगा। इससे परिजन आक्रोशित हो गए। परिजनों ने डॉ. चुरिहार पर मरीज के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार करने के आरोप भी लगाएं।

उल्लेखनीय है कि सोमवार सुबह करीब 11 बजे एसडीएम राकेश परमार और तहसीलदार विवेक सोनी अस्पताल निरीक्षण करने पहुंचे थे। दोपहर करीब 12 बजे अफसर अस्पताल प्रभारी डॉ. एचआर वर्मा के कैबिन में बैठकर चिकित्सकों से चर्चा कर रहे थे। इस दौरान महूगांव के सुपरसिटी निवासी कल्पना त्रिपाठी एसडीएम परमार से मिलने पहुंची। उन्होंनें बताया कि उनकी बेटी हर्षिता त्रिपाठी को सुबह प्रसव के लिए अस्पताल में दाखिल किया गया था। यहां उसे ऑपरेशन के लिए ओटी में ले जाया गया। यहां डॉ. रीना चुरिहार ने चंद मिनटों में ही उसे ओटी से बाहर निकाल दिया। जब स्टॉफ के सदस्यों से कारण पूछा तो उन्होंने दूसरे मरीज को ऑपरेशन के लिए बुलाने की बात कही। इससे परिजन आक्रोशित हो गए। परिजनों ने बताया कि हर्षिता को दर्द बढ? और ब्लड प्रेशर भी बढ़ता जा रहा था। बावजूद इसके डॉ.चुरिहार ने लापरवाही कर दूसरे मरीज का ऑपरेशन करना शुरू कर दिया। परिजनों की शिकायत के बाद एसडीएम परमार और तहसीलदार सोनी ऑपरेशन थिएटर पहुंचे। यहां मरीज की फाइल देखी। उन्होंने डॉ. चुरिहार को बुलाकर परिजनों के आरोपों की जानकारी ली। यहां डॉ. चुरिहार ने अफसरों के समक्ष आरोपों का निराधार बताते हुए मामले को साजिश करार दिया। डॉ. चुरिहार ने कहा कि अस्पताल प्रभारी और कुछ चिकित्सक उन्हें यहां से हटाने के लिए साजिश रच रहे है। हंगामें के दौरान डॉ. चुरिहार के हाजिर जवाब होने पर कई बार एसडीएम परमार भी आक्रोशित होते नजर आए। एसडीएम ने हर्षिता के परिजनों और डॉ. चुरिहार के बयान दर्ज कराएं।

पुलिस बुलाई, एफआइआर कराने का रखा सुझाव

हंगामें के दौरान महू कोतवाली पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। ओटी में हंगामे के दौरान एसडीएम परमार ने पुलिस अफसरों को मामले में परिजनों की शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज करने की बात भी कहीं। वहीं परिजनों को कहा गया कि आप चाहों तो मामले में पुलिस प्रकरण दर्ज करा सकते हो।

महिला चिकित्सक ने लगाया साजिश का आरोप

मध्यभारत अस्पताल लगातार विवादों के कारण सुर्खियां में बना रहता है। परिजनों ने मरीज के साथ महिला चिकित्सक डॉ. चुरिहार द्वारा मारपीट करने का आरोप भी लगाया। इधर महिला चिकित्सक डॉ. चुरिहार ने आरोपों को नकारते हुए इसे साजिश करार दिया। डॉ. चुरिहार ने कहा कि अस्पताल प्रभारी और अन्य चिकित्सक उन्हें यहां से हटाने के लिए लगातार साजिश कर रहे है।

लव जिहादी दरिंदे मोहसिन को कोर्ट में वकीलों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

आक्रोश भड़का तो जमकर धुना

गुड इवनिंग, इंदौर

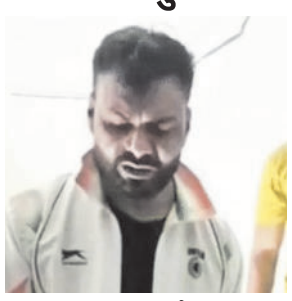

निशानेबाजी सिखाने के लिए बहाने से हिंदू लड़कियों को बहला-फुसलाकर उनसे दुष्कर्म और उन्हें ब्लैकमेल करने आरोपित इंदौर के शूटिंग कोच मोहसिन को सोमवार को जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने जमकर पीटा। अधिवक्ता मोहसिन की करतूतों से खफा थे।

पुलिस ने जैसे-तैसे उसे गुस्साए अधिवक्ताओं से बचाया। अलबत्ता, पुलिस को पहले से आशंका थी कि आरोपित मोहसिन पर हमला हो सकता है, इसीलिए पुलिस उसे पानी सप्लाई करने वाला बनाकर कोर्ट परिसर में दूर से घेरा बनाकर लाई थी। उसके हाथ में मिनरल वाटर की कैन भी थी, लेकिन वहां मौजूद अधिवक्ताओं ने उसे पहचान लिया और घेर लिया फिर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। पीटने वाले अधिवक्ताओं की संख्या के आगे पुलिस कुछ देर के लिए पीछे हटने पर मजबूर हो गई, लेकिन फिर किसी तरह उसको बमुश्किल बचाकर ले जा सकी। बाद में उसे कोर्ट में पेश किया गया। बता दें कि शूटिंग एकेडमी वाले मोहसिन ने कई हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म किया। उसके मोबाइल में कई लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो मिले, जिनके माध्यम से वह लड़कियों को ब्लैकमेल कर रहा था। अब तक उसके खिलाफ आठ मामले दर्ज कराए जा चुके हैं। पीड़िताओं के अनुसार, मोहसिन इस्लाम धर्म ग्रहण करने का भी दबाव बनाया करता था। सुनियोजित ढंग से हिंदू लड़कियों को निशाना बनाकर उनसे दुष्कर्म के उसके दुकृत्यों को लेकर लोगों में बेहद आक्रोश है।

बिना देखे खोला कार का गेट, पीछे से टकराई बाइक, हादसे में दो लोग घायल

गुड इवनिंग, पीथमपुर

प्रीति नगर क्षेत्र में एक बड़ी लापरवाही के चलते सड़क हादसा हो गया, जिसमें दो बाइक सवार घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब एक कार चालक ने बिना पीछे देखे अचानक अपनी कार का गेट खोल दिया। ठीक उसी वक्त पीछे से बाइक पर सवार होकर दो युवक आ रहे थे, जो कार के गेट से सीधे टकरा गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार रात आठ बजे कार रोड किनारे खड़ी थी और चालक ने पीछे से आ रहे वाहनों की दिशा में देखे बिना ही गेट खोल दिया। तेज रफ्तार में आ रही बाइक सीधे गेट से टकरा गई, जिससे बाइक चालक और पीछे बैठा युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही राहगीरों ने तत्काल घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि बाइक सवारों को सिर व पैर में चोटें आई हैं, हालांकि उनकी हालत खतरे से बाहर है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में सड़क किनारे वाहन खड़े करने और अचानक गेट खोलने की घटनाएं आम हैं, जिससे अक्सर ऐसे हादसे होते रहते हैं। लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराने और अवैध पार्किंग पर कार्रवाई की मांग की है।

सिन्धु ने सनातनी समाज को पहचान दी है, सिन्धु के तट पर गूंजे देशभक्ति के गीत

हम सभी सिन्धु के बिन्दु हैं, इसलिए हम हिंदू हैं: चंद्रकांत

गुड इवनिंग, इंदौर

हम सभी सिन्धु के बिन्दु हैं, इसीलिए हम हिन्दू हैं । यह सिन्धु दर्शन महोत्सव वास्तव में भावनाओं का प्रवाह है, जिसके चलते आप सभी यात्री देश के कोने कोने से आए हैं। यह बात प्रज्ञा प्रवाह के उत्तर क्षेत्र संयोजक चंद्रकांत जी ने लेह-लद्दाख स्थित सिन्धु तट पर कही । वे भारतीय सिन्धु सभा द्वारा आयोजित 4 दिवसीय सिन्धु दर्शन महोत्सव 2025 में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, उन्होंने उपस्थित तीर्थयात्रियों से आव्हान किया कि अपने पुरखों की जन्मभूमि सिन्ध को वापस लेने की आग हमारे ह्रदय में धधकती रहनी चाहिए क्योंकि यह भी भावनाओं से जुड़ा हुआ मुद्दा है । भारतीय सिंधु सभा इंदौर के अध्यक्ष अजय शिवानी, संभाग प्रभारी सुनील वाधवानी एवं महामंत्री नरेश फुँदवानी ने बताया कि कार्यक्रम का आरंभ हवन-यज्ञ तथा पवित्र बहिराणा साहिब की पूजा के साथ

हुआ, इसके पूर्व यात्रियों ने सिंधु के जल में स्नान भी किया । पूजा अर्चना के बाद भारतीयम विद्या निकेतन की छात्राओं ने अतिथियों के सम्मान में स्वागय गीत प्रस्तुत किया, इसके बाद मध्यप्रदेश सिन्धी साहित्य अकादमी के कलाकारों ने एक से बढ़कर मनमोहक सिन्धी नृत्य प्रस्तुत किये तो लद्दाख के कलाकारों ने भी अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया । इसके अलावा लेह पुलिस बैंड द्वारा प्रस्तुत देशभक्तिपूर्ण गीतों पर तो सभी यात्रियों के पैर स्वयं ही थिरकने लगे । महोत्सव के दौरान विदिशा से आए दो बालकों के उपनयन संस्कार भी सिन्धु तट पर सम्पन्न हुआ ।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित लद्दाख के विभाग संघचालक डॉ. पदमा गुरमीत जी ने कहा कि हम सभी को पर्यावरण की चिंता करनी चाहिए, नदियों का संरक्षण हम सभी का दायित्व है।

इस अवसर पर भारतीय सिंधु सभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष राजेश वाधवानी ने कहा कि जिस प्रकार एक माँ अपने बच्चे की मन की इच्छा को स्वतः ही जान लेती है और उसे पूर्ण करने का पूरा प्रयत्न करती है, ठीक उसी प्रकार सिन्धु के किनारे पर की गई मनोकामनाएं भी सिंधु सुनती है और उन मनोकामनाओं को पूर्ण करती है इसलिए यह मनोकामना पूर्ण देवी है।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण सिंधु दर्शन यात्रा विभाग के राष्ट्रीय संयोजक सुरेन्द्र लछवानी ने दिया ।

इस अवसर पर देशभर से आए 280 यात्रियों व लेह की स्थानीय जनता के अलावा लद्दाख कल्याण संघ के संगठन मंत्री बलविंदर सिंह,लेह नगर प्रचारक सिद्धांत जी,भारतीय सिन्धू सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घनश्यामदास देवनानी,राष्ट्रीय सचिव दिनेश टहिल्यानी, कांतिभाई पटेल,राजू बालानी,कैलाश खत्री,नमोश तलरेजा, दिनेश दोदानी,मूलचंद बसंतानी, रवि भाटिया, जय काकवानी, पंकज फतेहचंदानी, विष्णुदेव सामतानी, चंद्रप्रकाश सोनी, मनोज पंजवानी प्रमुख रूप से उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन गौरव संतवानी ने किया एवं आभार मुकेश लखवानी ने व्यक्त किया

नवजात को टायलेट में छोड़ने के मामले में मानव अधिकार ने जवाब मांगा

गुड इवनिंग, इंदौर

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के सदस्य ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकार उल्लंघन के 9 मामलों में संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। इसमें एक मामला महू के सरकारी अस्पताल का भी है।

इंदौर जिले के महू क्षेत्र में सरकारी अस्पताल में एक नाबालिग द्वारा अपने नवजात बच्चे को अस्पताल के टॉयलेट में छोड़कर भाग जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार अस्पताल के टायलेट में जन्मे एक नवजात को नाबालिग मां वही छोड़कर भाग गई और कुछ घंटो बाद एक कुत्ता नवजात को मुंह में दबाकर बाहर ले आया और नवजात दो टुकडों में मिली। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर एवं सीएमएचओ, इंदौर से मामले की जांच करवाकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

इसी तरह दूसरा मामला उज्जैन

का है। जिले के सरकारी अस्पताल चरक भवन में एक लिफ्ट में मरीजों के परिजन के फंसने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार लिफ्ट नंबर 3 में सवार 8-10 लोग ग्राउंड फ्लोर से तीसरी मंजिल जा रहे थे, तभी अचानक बिजली जाने से लिफ्ट दूसरी और तीसरी मंजिल के बीच अटक गई। लिफ्ट में फंसी महिलाएं और अन्य लोग घबरा गए। करीब 20 मिनट बाद बैकअप आने पर लिफ्ट चालू हुई और लोगों को बाहर निकाला गया। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने सीएमएचओ, उज्जैन से मामले की जांच करवाकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव धाम** द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग लून, 22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं सफायर टिवन्स, 102 फर्स्ट फ्लोर, पीयू 3, विजयनगर, एबी रोड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित। फोनः 0731-4000244
आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2017/72473 डाक पंजीयन क्रमांक- MP/IDC/1550/2020-2022, **प्रधान संपादक : राजीव धाम, एग्जीक्यूटिव संपादक गिरांज सिकरवार,** स्थानीय संपादक : **कमलेश गुरु** *, (*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।